संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

दैनिक घटती घटना

Www.ghatatighatana.com
Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक-228 बुधवार,19 जून 2024, पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

आपका विश्वास ही मेरी सबसे बड़ी पूंजी

» तीसरी बार जीतने के बाद वाराणसी में बोले पीएम मोदी...

वाराणसी,18 जून 2024 (ए)। वाराणसी से अपना तीसरा लोकसभा चुनाव जीतने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने लोकसभा क्षेत्र के लोगों को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि उन पर उनका विश्वास उनकी सबसे बड़ी संपत्ति है और यह उन्हें उनके सपने को पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत करने के लिए प्रेरित करता है। प्रधानमंत्री मोदी ने लोकसभा चुनाव में लगातार तीसरी बार जीत दर्ज की है, जिसमें भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए ने 293 सीटें जीती हैं।

आपका भरोसा मेरी सबसे बड़ी पूंजी मंगलवार को पीएम-किसान योजना की 17वीं किस्त जारी करने के बाद वाराणसी में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, आपका भरोसा मेरी सबसे बड़ी पूंजी है और यह मुझे आपकी सेवा करने, देश को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए कड़ी मेहनत करने की प्रेरणा देता है। मैं आपके सपनों और लक्ष्यों को पूरा करने के लिए दिन-रात कड़ी मेहनत करूंगा। प्रधानमंत्री ने 10 साल के शासन के बाद तीसरी बार सरकार चुनने के लिए लोगों को बधाई दी। उन्होंने कहा, चुनाव परिणामों ने एक नया इतिहास रच दिया है। सभी लोकतांत्रिक देशों में ऐसा बहुत कम हुआ है कि एक निर्वाचित सरकार लगातार तीसरी बार सत्ता में आए...भारत में 60 साल पहले ऐसा हुआ था। तब से कोई भी सरकार हैट्रिक नहीं बना पाई है।

बनारस के सभी मतदाताओं का आभारी हूं:पीएम मोदी

पीएम मोदी ने कहा, आपने अपने सेवक मोदी को यह अवसर दिया है। भारत जैसे देश में, जहां युवाओं की आकांक्षाएं इतनी ऊंची हैं, जहां लोगों के इतने सपने हैं, अगर लोग 10 साल के शासन के बाद किसी सरकार को वोट देते हैं, तो यह एक बड़ी जीत, एक बड़ी उपलब्धि और एक बड़ा विश्वास होता है। अपने निर्वाचन क्षेत्र के लोगों को बधाई देते हुए जहां से वे कांग्रेस के अजय राय के खिलाफ 1,52,513 मतों के अंतर से विजयी हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, मैं इस चुनाव को सफल बनाने के लिए बनारस के सभी मतदाताओं का आभारी हूं। काशी के लोगों ने किसी सांसद के लिए नहीं, बल्कि तीसरे कार्यकाल के लिए प्रधानमंत्री को वोट दिया है।

लोकसभा चुनावों की व्यापकता पर टिप्पणी करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि दुनिया में कहीं भी इतनी व्यापक प्रक्रिया नहीं होती है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 18वीं लोकसभा के लिए हुए ये चुनाव दुनिया को भारत के लोकतंत्र की विशालता, विस्तार और गहरी जड़ों को दिखाते हैं। इस चुनाव में 64 करोड़ से ज्यादा लोगों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। दुनिया में कहीं भी इतने बड़े पैमाने पर चुनाव नहीं होता, जहां इतनी बड़ी संख्या में लोग मतदान में हिस्सा लेते हों।

चुनाव में 31 करोड़ से अधिक महिलाओं ने हिस्सा लिया

लोकसभा चुनाव में भाग लेने वाले मतदाताओं की बड़ी संख्या की तुलना यूरोपीय देशों से करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ÷मैं हाल ही में जी-7 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए इटली गया था। यदि हम जी-7 देशों के सभी मतदाताओं को जोड़ दें, तो भी भारत में मतदाताओं की संख्या 1.5 गुना अधिक होगी। यदि हम यूरोप के सभी देशों, यूरोपीय संघ के सभी मतदाताओं को जोड़ दें, तो भी भारत में मतदाताओं की संख्या 1.5 गुना अधिक होगी। उन्होंने कहा, इस चुनाव में 31 करोड़ से अधिक महिलाओं ने हिस्सा लिया। यह संख्या दुनिया में महिला मतदाताओं की संख्या से भी अधिक है। यह संख्या अमेरिका की कुल जनसंख्या के बराबर है। यह भारत के लोकतंत्र की सुंदरता और ताकत है जो पूरी दुनिया को आकर्षित करती है।

पीएम मोदी ने जारी की किसान सम्मान निधि योजना की 17वीं किस्त

9 करोड़ किसानों के खातों में पहुंचे 20 हज़ार करोड़ रुपए

प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने के बाद पीएम नरेंद्र मोदी मंगलवार को पहली बार वाराणसी पहुंचे। उन्होंने वाराणसी में आयोजित एक समारोह के दौरान किसान सम्मेलन में पीएम किसान सम्मान निधि योजना की 17 वीं किस्त जारी की। पीएम ने कार्यक्रम में एक बटन दबाकर डॉयरेक्ट ट्रांसफर के ज़रिए 9 करोड़ किसानों के खाते में 2-2 हज़ार किश्त डिजिटली ट्रांसफर की है।

उद्घाटन से पहले ही नदी में समाया पुल

» पानी में गए लागत के 12 करोड़

» मंगलवार को पुल के दो से तीन पिलर नदी में धंस गए और पुल गिर गया...

अररिया,18 जून 2024(ए)। बिहार के अररिया जिले में मंगलवार को बकरा नदी पर बना पुल भरभराकर गिर गया। 12 करोड़ से निर्मित इस पुल का अभी उद्घाटन भी नहीं हुआ था। स्थानीय विधायक विजय कुमार मंडल ने इसे भ्रष्टाचार की भेंट बताया है। बताया जाता है कि सिकटी प्रखंड स्थित बकरा नदी के पड़रिया घाट पर 12 करोड़ की लागत से पुल का निर्माण किया गया था। मंगलवार को पुल के दो से तीन पिलर नदी में धंस गए और पुल गिर गया. पुल निर्माण करने वाली एजेंसी के लोग मौके पर पहुंच गए हैं और प्रशासन की टीम भी आ गई है. यह पुल सिकटी और कुर्साकांटा प्रखंड को जोड़ने वाला था।बताया जाता है कि स्थानीय भाजपा विधायक विजय कुमार मंडल ने पुल निर्माण के लिए काफी प्रयास किए थे. पुल गिरने की सूचना पर वह भी घटनास्थल पहुंच गए।

उन्होंने आईएएनएस को बताया कि यह पुल पूरी तरह भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया। यह पुल दो प्रखंडों को सीधे जोड़ने का माध्यम बनता, लेकिन उद्घाटन के पहले ही नदी में समा गया। ग्रामीण कार्य विभाग द्वारा यह पुल बनाया गया था। जमीन पर ही पिलर गाड़कर तैयार किया गया था. एप्रोच रोड भी अभी नहीं बना था।

उम्मीदवारों ने किया चुनाव आयोग का रुख

» ईवीएम-वीवीपीएटी के मेमोरी वेरिफिकेशन की लगाई गुहार...

नई दिल्ली,18 जून 2024(ए)। देश में लोकसभा चुनाव हाल ही में संपन्न हुए हैं। इस चुनाव में कई दिग्गजों को हार का सामना करना पड़ा है। वहीं अब चुनाव में हार का सामना करने वाले करीब एक दर्जन उम्मीदवारों ने चुनाव आयोग को आवेदन देकर ईवीएम में दर्ज वोटिंग के आंकड़े और वीवीपैट की पर्चियों के मिलान यानी मेमोरी वेरिफिकेशन कराने की गुहार लगाई गई है।

अधिकतर अर्जियों में एक से तीन बूथों की मशीनों के मिलान की अर्जी हैं। सिर्फ ओडिशा के झाड़सुगुड़ा विधानसभा क्षेत्र से हारीं बीजेडी उम्मीदवार दीपाली दास ने सबसे ज्यादा 13 मशीनों की मेमोरी वेरिफाई करने की अर्जी दी है।

जिन लोगों ने ऐसे आवेदन दिए हैं, उनमें महाराष्ट्र के अहमदनगर लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार सुजय राधाकृष्ण विखेपाटिल भी शामिल हैं। इन्होंने विधानसभा क्षेत्रवार ईवीएम यूनिट की जांच की मांग की है। शरद पवार की एनसीपी के नीलेश ज्ञानदेव लंके ने उन्हें 28929 मतों से हराया है। इनके अलावा ओडिशा में झारसुगुड़ा से बीजू जनता दल की उम्मीदवार दीपाली दास ने भी ऐसी ही मांग की है। वह भाजपा के टंकधर त्रिपाठी से लोकसभा चुनाव 1265 वोटों से हार गई थीं।

दास इस सीट से कई बार सांसद रह चुकी हैं। उन्होंने करीब एक दर्जन ईवीएम-वीवीपैट मशीनों की जांच की मांग की है।

उन्होंने कहा है कि कुल 19 राउंड की गिनती में 17वें राउंड तक वह आगे चल रही थीं लेकिन अचानक आखिरी दो राउंड की गिनती में वह पिछड़ गईं। यह उन्हें रास नहीं आ रहा है। ईटी से बातचीत में दास ने यह पुष्टि की है कि उन्होंने 13 मशीनों के सत्यापन की मांग चुनाव आयोग से की है। छत्तीसगढ़ और उत्तराखंड जहां भाजपा ने क्लीन स्वीप किया है, से एक भी ऐसे आवेदन आयोग को नहीं मिले हैं।

लोकसभा चुनावों के दौरान 26 अप्रैल के अपने आदेश में सुप्रीम कोर्ट ने सभी ईवीएम-वीवीपैट पर्चियों के मिलान की अर्जी खारिज करते हुए कहा था कि मतगणना के सात दिनों के अंदर उम्मीदवार प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के अधिकतम 5 फीसदी ईवीएम मशीनों की जांच का आवेदन चुनाव आयोग को दे सकते हैं। कोर्ट ने यह भी कहा था कि ऐसे आवेदन केवल उपविजेता और दूसरे नंबर के उप विजेता द्वारा ही दायर किया जा सकता है।

मोहन माझी,नवीन पटनायक और अन्य नवनिर्वाचित विधायकों ने शपथ ली

भुवनेश्वर,18 जून 2024(ए)। ओडिशा विधानसभा चुनाव में भाजपा के मोहन चरण माझी जीत हासिल कर नवीन पटनायक के 24 वर्षों के शासन को खत्म कर दिया। आज मंगलवार को मुख्यमंत्री मोहन माझी ने विधायक पद की शपथ ली, जिसके बाद दो उपमुख्यमंत्रियों- केवी सिंह देव और प्रभाती परिडा को प्रोटेम स्पीकर रणेंद्र प्रताप स्वैन ने शपथ दिलाई। बीजद अध्यक्ष और हिंजिली विधायक नवीन पटनायक ने भी आज कई अन्य विधायकों के साथ शपथ ली।नवनिर्वाचित विधायकों का शपथ समारोह 19 जून तक चलेगा। मुख्यमंत्री और अन्य नवनिर्वाचित विधायकों ने विधानसभा पहुंचकर महात्मा गांधी की प्रतिमा को पुष्पांजलि अर्पित की।

ओडिसा में लोकसभा चुनाव के साथ विधानसभा चुनाव भी संपन्न हुए। विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 78 सीटें जीतकर बहुमत हासिल कर ओडिशा में पहली बार अपनी सरकार बनाई। बीजद को 51, कांग्रेस को 14 और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) को एक सीट पर जीत मिली। इनके अलावा तीन निर्दलीय उम्मीदवारों ने भी जीत हासिल की।

कुल 147 सदस्यीय ओडिशा विधानसभा में 82 विधायक ऐसे हैं जो पहली बार विधानसभा पहुंचे हैं। मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी सदन के नेता हैं और पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के सर्वसम्मति से विपक्ष के नेता चुने जाने की संभावना है। बता दें कि मोहन माझी की सरकार में दो डिप्टी बनाए गए हैं। प्रभाती परिदा ओडिशा की पहली महिला डिप्टी सीएम बनी।

पूर्व आंध्र सीएम जगन मोहन रेड्डी ने बैलट पेपर से वोट कराने का किया आह्वान

अमरावती,18 जून 2024(ए)। जहां एक तरफ इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) को हैक करने की संभावना पर बहस चल रही है, वहीं आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री वाई.एस. जगन मोहन रेड्डी ने मंगलवार को कहा कि बैलट पेपर से वोटिंग कराई जानी चाहिए। उन्होंने चुनाव में मतपत्रों के इस्तेमाल का आह्वान किया।

उन्होंने एक्स पर अपने पोस्ट में कहा, जिस तरह न्याय न केवल किया जाना चाहिए बल्कि यह दिखना भी चाहिए, उसी तरह लोकतंत्र न केवल कायम रहना चाहिए बल्कि ऐसा होते दिखना भी चाहिए।

वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) के अध्यक्ष ने बताया कि लगभग हर विकसित देश बैलट पेपर का इस्तेमाल कर रहा है। उन्होंने कहा, दुनिया भर में लगभग हर विकसित लोकतंत्र में चुनावी प्रक्रियाओं में ईवीएम का नहीं, बल्कि मतपत्रों का उपयोग किया जाता है। हमें भी अपने लोकतंत्र की सच्ची भावना को बनाए रखने के लिए उसी दिशा में आगे बढ़ना चाहिए।

बदसलूकी मामले में स्वाति मालीवाल ने इंडिया के बड़े नेताओं को लिखा पत्र

नई दिल्ली,18 जून 2024 (ए)। आम आदमी पार्टी की राज्यसभा सदस्य स्वाति मालीवाल ने इंडिया के नेताओं से मिलने का समय मांगा है। उन्होंने इसके लिए सभी नेताओं को पत्र लिखा है। बता दें कि अरविंद केजरीवाल के घर पर उनके पीए द्वारा स्वाति मालीवाल के साथ बदसलूकी करने का आरोप है। राहुल गांधी और शरद पवार जैसे नेताओं को लिखे पत्र में स्वाति मालीवाल ने शिकायत की कि दुर्व्यवहार के खिलाफ बोलने के लिए उन्हें शर्मिंदा किया गया और चरित्र हनन किया गया। उन्होंने लिखा कि समर्थन पाने के बजाय, मेरा अपनी ही पार्टी के नेताओं ने मुझे शर्मिंदा किया। पिछले एक महीने में मैंने खुद उस दर्द और अलगाव का सामना किया है, जिसका सामना एक पीड़िता न्याय के लिए लड़ते समय करती है।

वायनाड सीट पर प्रियंका गांधी के खिलाफ उम्मीदवार उतारेगी इंडिया की सहयोगी पार्टी

नई दिल्ली,18 जून 2024(ए)। सीपीआई ने वायनाड लोकसभा उपचुनाव में प्रियंका गांधी वाड्रा के खिलाफ उम्मीदवार उतारने का एलान कर दिया है। मंगलवार को सीपीआई के राज्य सचिव बिनॉय विश्वम ने यहां पत्रकारों से कहा कि सीपीआई वाम लोकतांत्रिक मोर्चा में वायनाड लोकसभा सीट रखती है और उसका उम्मीदवार उपचुनाव में चुनाव लड़ेगा। उन्होंने कहा, इसमें क्या संदेह है? सीपीआई और एलडीएफ ऐसा कुछ नहीं करेंगे जो भाजपा के अनुकूल हो। इसलिए, हम निश्चित रूप से वहां अपना उम्मीदवार उतारेंगे। प्रियंका की उम्मीदवारी के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि कांग्रेस को किसी भी क्षेत्र में अपना उम्मीदवार चुनने की पूरी आजादी है।वामपंथी नेता ने यह भी कहा कि अगर कांग्रेस पार्टी की योजना वायनाड खाली करने की है, तो उन्हें राहुल गांधी जैसे प्रमुख नेता को दक्षिण में लाने की कोई जरूरत नहीं है।

कांग्रेस ने अश्विनी वैष्णव के इस्तीफे की मांग की

नई दिल्ली,18 जून 2024 (ए)। सरकार पर भारतीय रेलवे को नष्ट करने का आरोप लगाते हुए मंगलवार को कांग्रेस ने कंचनजंघा एक्सप्रेस दुर्घटना के मद्देनजर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के इस्तीफे की मांग की और कहा कि उन्हें पद पर बने रहने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। विपक्षी दल ने मोटरसाइकिल पर पीछे बैठकर दुर्घटना स्थल पर पहुंचने के लिए वैष्णव पर भी कटाक्ष करते हुए पूछा कि वह रेल मंत्री हैं या रील मंत्री।

दिल्ली से दुबई जाने वाली फ्लाइट को बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली,18 जून 2024 (ए)। दिल्ली एयरपोर्ट पर उस वक्त एक बार फिर हड़कंप मच गया, जब दुबई जानेवाली एक फ्लाइट को बम से उड़ाने की धमकी मिली। दिल्ली पुलिस के अनुसार सोमवार (17 जून) को सुबह 9.35 बजे आईजीआई एयरपोर्ट स्थित दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड कार्यालय में एक ईमेल प्राप्त हुआ, जिसमें दिल्ली से दुबई की उड़ान के अंदर बम होने की धमकी दी गई थी।

दिल्ली पुलिस को जैसे ही धमकी भरा मेल आया, इसके बाद एयरपोर्ट पुलिस हरकत में आई और जांच शुरू की। फ्लाइट की जांच की गई लेकिन पुलिस को इसमें कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। अब इस मामले में पुलिस यह जानकारी जुटा रही है कि आखिर यह धमकी भरा मेल किसने भेजा?

लॉरेंस बिश्नोई का वीडियो कॉल वायरल

» पाकिस्तानी डॉन भट्टी को दे रहा ईद की बधाई...

जालंधर,18 जून 2024(ए)। कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई का वीडियो कॉल वायरल हो गया है। इसमें वह पाकिस्तान के कुख्यात माफिया डॉन शहजाद भट्टी से बात करता नजर आ रहा है।

लॉरेंस भट्टी को ईद की बधाई दे रहा है। जिसके बाद माना जा रहा है कि यह वीडियो 16 जून का है।हालांकि, इस बारे में अभी तक पुलिस की ओर से कोई औपचारिक बयान नहीं आया है। लॉरेंस फिलहाल गुजरात की जेल में बंद है। ऐसे में उसकी वीडियो कॉल से एजेंसियां भी सतर्क हो गई हैं। लॉरेंस जिस कुख्यात माफिया डॉन शहजाद भट्टी से बात कर रहा है, उसका नाम पाकिस्तान में हत्या, भू-माफिया, हथियार तस्करी समेत कई संगीन मामलों में दर्ज है। पुलिस के मुताबिक, गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई फिलहाल गुजरात की अहमदाबाद जेल में बंद है।

कांग्रेस अध्यक्ष ने पार्टी कार्यकर्ता से धुलवाए पैर

» वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल...

नई दिल्ली,18 जून 2024 (ए)। महाराष्ट्र में कांग्रेस के अध्यक्ष नाना पटोले एक बार फिर विवादों में आ गए हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर नाना पटोले का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें कांग्रेस नेता पार्टी के कार्यकर्ता से अपने पैर पानी से साफ करवाते हुए नजर आ रहे हैं।

बताया जा रहा है कि महाराष्ट्र के अकोला जिले के वाडेगांव में नाना पटोले के पैर कीचड़ में धंस गया था। इसके बाद कार्यकर्ता ने पानी से उनका पांव धोया। वीडियो में देखा जा सकता है कि नाना पटोले अपनी गाड़ी में बैठे हुए हैं और कार्यकर्ता उनका पैर धोते हुए दिख रहा है। वीडियो वायरल होने के बाद नाना पटोले भाजपा और सोशल मीडिया यूजर्स के निशाने पर आ गए हैं।

महाराष्ट्र भाजपा ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कांग्रेस नेता नाना पटोले का वीडियो शेयर किया है। भाजपा ने एक्स पर लिखा, कांग्रेस ने लोगों को हमेशा पैरों की धूल समझा है। महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले के पैर कीचड़ में सन गए तो उन्होंने एक कार्यकर्ता से पैर धोने को कहा। अगर सत्ता उनके हाथ में चली गई तो गरीबों का यही हाल होगा। यह वीडियो प्रमाण है।

संपादकीय

मोदी की पहली विदेश यात्रा सकारात्मक

इटली के अपुलिया में संपन्न हुए जी-7 सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आउटरीच सत्र में वैश्विक नेताओं से मुलाकात की। इस क्रम में तमाम वैश्विक राजनीतिक हस्तियों से उनका मिलना हुआ। इनमें पोप फ्रांसिस भी शामिल थे, जिन्होंने भरपूर गर्मजोशी से मोदी को गले लगाया और विचार-विमर्श किया। मोदी ने पोप को भारत आने का न्योता भी दिया। भारत में कैथोलिक इसाइयों की संख्या एशिया में दूसरे नंबर पर है।भारत के केरल जैसे राज्यों में ईसाइयों की संख्या खासी है, इसलिए, इसे संकेत माना जा रहा है कि मोदी ने भारत की धर्मनिरपेक्ष छवि को दर्शाया है। जी-7 यानी ग्रुप ऑफ सेवन दुनिया केसबसे अमीर और खुद को अत्याधुनिक मानने वाले मुल्कों की संस्था है।कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली, ब्रिटेन, अमेरिका और जापान ये सात देश हैं। इनकी ग्लोबल टूडे और वैश्विक वित्त पणाली पर खासी पकड़ है। इस बार ये सब आर्थिक सुरक्षा और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे मुद्दों को लेकर विमर्श कर रहे थे।चूंकि भारत विकसित होती अर्थव्यवस्था है, इसलिए वे उसके सहयोग और लाभ की साझेदारी पर काम करने को इच्छुक हैं। इस सम्मेलन में दक्षिण अमेरिका और अफ्रीका के साथ भारत प्रशांत क्षेत्र के बारह विकासशील देशों के नेताओं को इसी खास मकसद से आमंत्रित किया गया था।माना जा रहा है कि जी-7 देश चीन और रूस की बढ़ती आर्थिक ताकत को लेकर चिंतित हैं। इस मौके का फायदा उठाने में मोदी सफल होते नजर आ रहे हैं। साथ ही, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस को सुरक्षित और भरोसेमंद बनाने के प्रति सरकार की जिम्मेदारी को भी मदद मिलने की उम्मीद है।इस मसले पर बनने वाले अंतरराष्ट्रीय नियम-कानूनों द्वारा देश में बढ़ रहे साइबर क्राइम पर सख्ती की जा सकेगी। हालांकि यह कहना गलत नहीं है कि इस गुट के पास ऐसे कोई अधिकार नहीं हैं, जिनके बल पर कोई भी निर्णय जबरन लागू कराया जा सके, मगर भारत को इन देशों से जो सहयोग और लाभ मिल सकते हैं, उनके प्रति यदि मोदी सफल होते नजर आते हैं तो यह देश के भविष्य के लिए बेहतर करने का घटनाक्रम ही कहा जाएगा।निस्संदेह इनसे जुड़े परिणामों के लिए अभी इंतजार करना होगा। मगर कुल मिलाकर दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले देश का लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के बाद मोदी की यह पहली विदेश यात्रा सकारात्मक कही जा सकती है, जिसके परिणाम आने वाले वर्षों में यकीनन नमूदार होंगे।

जन्म दिन विशेष ब्लेज पॉस्कल

विश्व के महान गणितज्ञ व दार्शनिक ब्लेज पॉस्कल

संजय गोस्वामी
मुंबई,
महाराष्ट्र

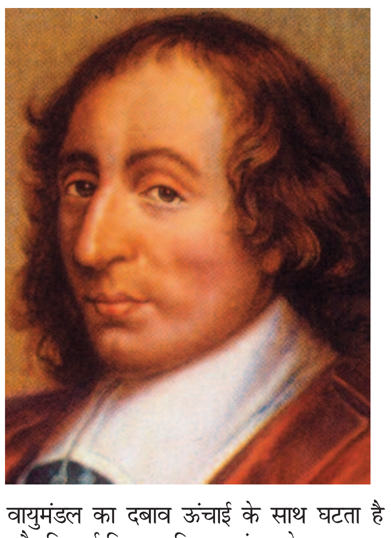

ब्लेज पॉस्कल का जन्म,19 जून 1623 को क्लेरमोंट,औवेर्गने, फ्रांस में हुआ। ब्लेज पॉस्कल एक बहुत ही प्रभावशाली फ्रांसीसी गणितज्ञ और दार्शनिक थे जिन्होंने गणित के कई क्षेत्रों में योगदान दिया। उन्होंने शंकु वर्गों और प्रक्षेपी ज्यामिति पर काम किया और फ़र्मेट के साथ पत्राचार में उन्होंने संभाव्यता के सिद्धांत की नींव रखी। ब्लेज पॉस्कल का संभाव्यता सिद्धांत की खोज हेतु जाने जाते हैं जिसका उपयोग मौसम विज्ञान, जोखिम प्रबंधन व आपदा प्रबंधन आदि में आज किया जाता है। ब्लेज पॉस्कल,एटिएन पॉस्कल के तीसरे और उनके इकलौते बेटे थे। ब्लेज की माँ की मृत्यु तब हुई जब वह केवल तीन वर्ष के थे। 1632 में पॉस्कल परिवार, एटियेन और उनके चार बच्चे, क्लेरमोंट छोड़कर पेरिस में बस गए। ब्लेज पॉस्कल के पिता के पास अपरंपरागत शैक्षिक था विचार थे अच्छे पढ़े लिखे थे और उन्होंने अपने बेटे को खुद पढ़ाने का फैसला किया। एटियेन पॉस्कल ने फैसला किया कि ब्लेज को 15 साल की उम्र से पहले गणित नहीं पढ़ना चाहिए और उनके घर से सभी गणित की किताबें हटा दी गईं। हालाँकि, इससे उनकी जिज्ञासा बढ़ी और उन्होंने 12 साल की उम्र में खुद ज्यामिति पर काम करना शुरू कर दिया। उन्होंने पाया कि त्रिभुज के कोणों का योग दो समकोण यानि 180 डिग्री का होता है और जब उनके पिता को पता चला, तो उन्होंने नरमी दिखाई और गणित के बारे में ब्लेज को यूक्लिड की एक प्रति दी। 14 साल की उम्र में ब्लेज पॉस्कल अपने पिता के साथ मर्सेन की बैठकों में जाने लगे। मर्सेन मिनिम्स के धार्मिक आदेश से संबंधित थे, और पेरिस में उनका सेल गैसेंडी,रॉबरवाल, कार्कावी,औज़ाउट,माइडॉर्ग,माइलोन,डेसर्गेस और अन्य लोगों के लिए अक्सर मिलने की जगह थी। जल्द ही, निश्चित रूप से 15 वर्ष की आयु तक, ब्लेज ने डेसर्गेस के काम की प्रशंसा करने लगे। सोलह वर्ष की आयु में,पॉस्कल ने जून 1639 में मर्सेन की एक बैठक में कागज पर गणित लिखकर उसका एक टुकड़ा प्रस्तुत किया। इसमें पॉस्कल के रहस्यवादी षट्भुज सहित कई प्रक्षेपी ज्यामिति प्रमेय शामिल थे। दिसंबर 1639 में पॉस्कल परिवार पेरिस छोड़कर रूएन में रहने चला गया,जहाँ एटियेन को अपर नॉरमैंडी के लिए कर संग्रहकर्ता के रूप में नियुक्त किया गया था।

रूएन में बसने के कुछ समय बाद, ब्लेज ने अपना पहला काम,शंकु वर्गों पर शोध पत्र इंटरनेशनल जर्नल के फरवरी 1640 अंक में प्रकाशित किया। पॉस्कल ने अपने पिता को कर संग्रह करने के काम में मदद करने के लिए पहला डिजिटल कैलकुलेटर का आविष्कार किया। उन्होंने 1642 और 1645 के बीच तीन साल तक इस पर काम किया। पॉस्कलीन नामक यह उपकरण 1940 के दशक के यांत्रिक कैलकुलेटर जैसा दिखता था। यह लगभग निश्चित रूप से पॉस्कल को यांत्रिक कैलकुलेटर का आविष्कार करने वाला दूसरा व्यक्ति बनाता है, क्योंकि शिकार्ड ने 1624 में एक का निर्माण किया था। पॉस्कल को कैलकुलेटर के डिज़ाइन में कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ा,जो उस समय फ्रांसीसी मुद्रा के डिज़ाइन के कारण थीं। एक लिवर में 20 सोल और एक सोल में 12 डेनियर होते थे। यह प्रणाली फ्रांस में 1799 तक रही, लेकिन ब्रिटेन में इसी तरह के गुणकों वाली प्रणाली 1971 तक चली। लिवर को 240 में विभाजित करने के लिए पॉस्कल को बहुत कठिन तकनीकी समस्याओं को हल करना पड़ा,जितना कि अगर विभाजन 100 होता। हालाँकि मशीनों का उत्पादन 1642 में शुरू हुआ,लेकिन जैसा कि एडमसन उनके बारे में लिखते हैं,उन्होंने 1652 तक पचास प्रोटोटाइप कैलकुलेटर का उत्पादन किया गया था, लेकिन कुछ मशीनें ही बेची गईं, और नुकसान के कारण पास्कल के अंकगणितीय कैलकुलेटर का निर्माण उस वर्ष बंद हो गया। 1646 की घटनाएँ युवा पॉस्कल के लिए बहुत महत्वपूर्ण थीं। उस वर्ष उनके पिता के पैर में चोट लग गई थी और उन्हें अपने घर में ही रहना पड़ा था। धार्मिक आंदोलन से जुड़े दो युवा भाइयों ने उनकी देखभाल की। उनका उस युवा पर पॉस्कल पर गहरा प्रभाव पड़ा और वे बहुत धार्मिक हो गए। लगभग इसी समय से पॉस्कल ने वायुमंडलीय दबाव पर प्रयोगों की एक श्रृंखला शुरू की। 1647 तक उन्होंने अपनी संतुष्टि के लिए साबित कर दिया था कि एक निर्वात भी मौजूद है जिसमें कोई माध्यम नहीं बल्कि निर्वात है। मई 1653 से पॉस्कल ने गणित और भौतिकी पर काम किया और लिक्विड के संतुलन पर ग्रंथ (1653) लिखा, जिसमें उन्होंने पास्कल के दबाव के नियम की व्याख्या की और आज भी दबाव का मात्रक पॉस्कल के नाम से प्रसिद्ध है। वैज्ञानिक डेसकार्टेस ने 23 सितंबर 1646 को पास्कल से मुलाकात हुई । उनकी यात्रा केवल दो दिनों तक चली और दोनों ने निर्वात के बारे में बहस की,जिस पर डेसकार्टेस विश्वास नहीं करते थे। अगस्त 1648 में पॉस्कल ने देखा कि वायुमंडल का दबाव ऊंचाई के साथ घटता है और निष्कर्ष निकाला कि वायुमंडल के ऊपर एक निर्वात मौजूद है। डेसकार्टेस ने जून 1647 में निर्वात के बारे में पास्कल को लिखा और सलाह मैंने ही दो साल पहले उसे ऐसा करने की सलाह दी थी, क्योंकि हालाँकि मैंने इसे खुद नहीं किया है, लेकिन मुझे इसकी सफलता पर संदेह नहीं था। अक्टूबर 1647 में पास्कल ने वैक्यूम के बारे में नए प्रयोग किए,जिसके कारण कई वैज्ञानिकों के साथ उनका विवाद हुआ, जो डेसकार्टेस की तरह वैक्यूम में विश्वास नहीं करते थे। सितंबर 1651 में एटिएन पॉस्कल की मृत्यु हो गई और इसके बाद ब्लेज़ ने अपनी एक बहन को पत्र लिखा। सामान्य रूप से मृत्यु और विशेष रूप से अपने पिता की मृत्यु को गहरा धक्का लगा । यहाँ उनके विचार उनके बाद के दार्शनिक कार्य पेन्सेस का आधार बनने वाले थे। एडमसन ने उनके शोध पर लिखते हैं:-यह ग्रंथ हाइड्रोस्टैटिक्स की एक प्रणाली की पूरी रूपरेखा है, जो दुनिया में पहली बार इस्तेमाल की गई थी। विज्ञान के इतिहास में, यह भौतिक सिद्धांत में उनके सबसे विशिष्ट और महत्वपूर्ण योगदान को दर्शाता है। उन्होंने शंकु वर्गों पर काम किया और प्रक्षेपी ज्यामिति में महत्वपूर्ण प्रमेय तैयार किए। द जेनेरेशन ऑफ़ कोनिक सेक्शन्स (ज्यादातर मार्च 1648 तक पूरा हो गया लेकिन 1653 और 1654 में फिर से काम किया गया) में पॉस्कल ने एक वृत्त के केंद्रीय प्रक्षेपण द्वारा उत्पन्न शंकुओं पर विचार किया। यह शंकुओं पर एक ग्रंथ का पहला भाग था जिसे पास्कल ने कभी पूरा नहीं किया। यह काम अब खो गया है लेकिन लीबनिज़ और त्सचिरनहॉस ने इससे नोट्स बनाए और यह इन नोट्स के माध्यम से है कि अब काम की एक पूरी तस्वीर संभव है। हालाँकि पॉस्कल पास्कल त्रिभुज का अध्ययन करने वाले पहले व्यक्ति नहीं थे, लेकिन इस विषय पर उनका काम इस विषय पर सबसे महत्वपूर्ण था और वालिस के काम के माध्यम से, द्विपद गुणांकों पर पॉस्कल का काम न्यूटन को भिन्नात्मक और नकारात्मक शक्तियों के लिए सामान्य द्विपद प्रमेय की खोज की ओर ले गया। फ़र्मेट के साथ पत्राचार में उन्होंने संभाव्यता के सिद्धांत की नींव रखी। यह पत्राचार पाँच पत्रों में था और 1654 की गर्मियों में हुआ था। उन्होंने पासा समस्या पर विचार किया, जिसका अध्ययन पहले से ही कार्डन द्वारा किया जा चुका था, और अंकों की समस्या पर भी कार्डन और लगभग उसी समय, पैसिओली और टार्टाग्लिया द्वारा विचार किया गया था। पासा समस्या पूछती है कि किसी को दोहरा छक्का आने से पहले कितनी बार पासा फेंकना चाहिए जबकि अंकों की समस्या पूछती है कि पासा का खेल अधूरा होने पर दांव को कैसे विभाजित किया जाए। उन्होंने दो खिलाड़ियों के खेल के लिए अंकों की समस्या को हल किया, लेकिन तीन या अधिक खिलाड़ियों के लिए इसे हल करने के लिए पर्याप्त शक्तिशाली गणितीय तरीके विकसित नहीं किए। इस पत्राचार की अवधि के दौरान पॉस्कल अस्वस्थ थे। जुलाई 1654 में फ़र्मेट को लिखे गए एक पत्र में उन्होंने लिखा...हालाँकि मैं अभी भी बिस्तर पर हूँ, मुझे आपको बताना होगा कि कल शाम मुझे आपका पत्र दिया गया था। हालाँकि, अपनी स्वास्थ्य समस्याओं के बावजूद, उन्होंने अक्टूबर 1654 तक वैज्ञानिक और गणितीय प्रश्नों पर गहनता से काम किया। उसी समय के आसपास एक दुर्घटना में उनकी जान लगभग चली गई थी। उनकी गाड़ी को खींचने वाले घोड़े भाग गए और गाड़ी सीन नदी के ऊपर एक पुल पर लटकी रह गई। हालाँकि उन्हें बिना किसी शारीरिक चोट के बचा लिया गया था, लेकिन ऐसा लगता है कि वे मनोवैज्ञानिक रूप से बहुत प्रभावित हुए थे। कुछ समय बाद ही, 23 नवंबर 1654 को उन्हें एक और धार्मिक अनुभव हुआ और उन्होंने अपना जीवन ईसाई धर्म को समर्पित कर दिया। इसके बाद पॉस्कल ने पेरिस से लगभग 30 किलोमीटर दक्षिण पश्चिम में स्थित जैनसेनिस्ट मठ पोर्ट-रॉयल डेस चैंप्स का दौरा किया। उन्होंने धार्मिक विषयों पर गुमनाम रचनाएँ प्रकाशित करना शुरू किया,1656 और 1657 की शुरुआत में अठारह प्रांतीय पत्र प्रकाशित हुए। ये उनके मित्र एंटोनी अर्नाल्ड के बचाव में लिखे गए थे, जो जेसुइट्स के विरोधी और जैनसेनिज़्म के समर्थक थे, जिन पर उनके विवादास्पद धार्मिक कार्यों के लिए पेरिस में धर्मशास्त्र संकाय के समक्ष मुकदमा चल रहा था। दर्शनशास्त्र में पॉस्कल का सबसे प्रसिद्ध कार्य पेन्सेस है,जो मानवीय पीड़ा और ईश्वर में आस्था पर व्यक्तिगत विचारों का संग्रह है, जिसे उन्होंने 1656 के अंत में शुरू किया और 1657 और 1658 के दौरान इस पर काम करना जारी रखा। इस कार्य में पॉस्कल का दांव शामिल है, जो यह साबित करने का दावा करता है कि ईश्वर में विश्वास निम्नलिखित तर्क के साथ तर्कसंगत है। यदि ईश्वर का अस्तित्व नहीं है, तो उस पर विश्वास करने से कोई कुछ नहीं खोएगा, जबकि यदि वह अस्तित्व में है, तो विश्वास न करने से कोई सब कुछ खो देगा। पॉस्कल के दांव के साथ वह संभाव्यता और गणितीय तर्कों का उपयोग करता है लेकिन उसका मुख्य निष्कर्ष यह है कि ...हम जुआ खेलने के लिए मजबूर हैं क्योंकि हमें यह जानना है कि अगले पत्ता कौन सा आने वाला है जो प्रोवाबलिटी पर आधारित है। उनका अंतिम कार्य साइक्लॉयड पर था, जो एक घूमते हुए वृत्त की परिधि पर एक बिंदु द्वारा खींचा गया वक्र है। 1658 में पास्कल ने गणितीय समस्याओं के बारे में फिर से सोचना शुरू किया क्योंकि वह दर्द के कारण रात में जागते रहते थे और सो नहीं पाते थे। उन्होंने कैवलियरी के अविभाज्य के कलन को साइक्लॉयड के किसी भी खंड के क्षेत्र और किसी भी खंड के गुरुत्वाकर्षण के केंद्र की समस्या पर लागू किया। उन्होंने चक्राकार को x-अक्ष के चारों ओर घुमाने से बनने वाले परिक्रमण के ठोस के आयतन और पृष्ठीय क्षेत्रफल की समस्याओं को भी हल किया। पॉस्कल ने इन समस्याओं के समाधान के लिए दो पुरस्कार मिले और प्रकाशित की, जिसमें रेन, लालौबेरे, लीबनिज़, ह्यूजेंस, वालिस, फ़र्मेट और कई अन्य गणितज्ञ शामिल थे। वालिस और लालौबेरे ने प्रतियोगिता में भाग लिया, लेकिन लालौबेरे का समाधान गलत था और वालिस भी सफल नहीं हुए। स्लूज़, रिक्की, ह्यूजेंस, रेन और फ़र्मेट सभी ने प्रतियोगिता में भाग लिए बिना ही पास्कल को अपनी खोजों के बारे में बताया। रेन पॉस्कल की चुनौती पर काम कर रहे थे और उन्होंने बदले में पॉस्कल, फ़र्मेट और रॉबरवाल को चक्राकार की चाप की लंबाई, चाप की लंबाई, खोजने की चुनौती दी। पॉस्कल ने कार्कावी को लिखे पत्रों में अपनी चुनौती समस्याओं के अपने समाधान प्रकाशित किए। उस समय के बाद उन्होंने विज्ञान में बहुत कम रुचि ली और अपने अंतिम वर्ष गरीबों को दान देने और पेरिस में एक के बाद एक धार्मिक सेवाओं में भाग लेने में बिताए। पॉस्कल की मृत्यु 39 वर्ष की आयु में तीव्र दर्द के कारण हुई. लेकिन इतना कम उम्र में विज्ञान के प्रति उनकी खोज प्रेरणादाई है।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

उम्मीदवारों का चयन सही साबित हुआ

अचानक कहीं कुछ नहीं होता,अंदर ही अंदर कुछ घिस रहा होता है,कुछ पिस रहा होता है।' इन पंक्तियों में कवि ने इस बात पर इशारा किया है कि किसी भी काम का विपरीत अंजाम आने पर हमें ऐसा क्यों लगता है कि ऐसा कैसे हो गया? जबकि उसके पीछे के कारणों पर कोई ध्यान नहीं देता।ऐसा ही कुछ हुआ 2024 के उत्तर प्रदेश में लोक सभा चुनाव परिणाम के बाद। यहां बीजेपी को पहले के मुकाबले इस बार बहुत कम सीटें मिलीं। ऐसा क्या कारण था कि भाजपा का प्रदर्शन इतना बुरा रहा? अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण। अनुच्छेद 370 का हटाना। तीन तलाक को खत्म करना। ये ऐसे कुछ मुद्दे थे जिन पर भाजपा को पूरा विश्वास था कि वह अबकी बार 400 पार' के अपने नारे को सच कर दिखाएंगे, परंतु ऐसा न हो सका। ऐसा माना जाता है कि दिल्ली की गद्दी का रास्ता लखनऊ से होकर जाता है। इस बार के चुनाव में उत्तर प्रदेश का जो परिणाम रहा उसने सत्तारूढ़ दल को यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि ऐसी कौन सी कमी उनकी नीति में थी जो वोटरों को अपनी ओर आकर्षित करने में विफल रही? ऐसा क्या हुआ कि पार्टी कार्यकर्ताओं में वो उत्साह नहीं था जो पिछले दो लोक सभा चुनावों में देखा गया? क्या संगठन के काम करने के ढंग या उनके द्वारा लिये गए गलत फैसलों ने जमीनी कार्यकर्ताओं को हतोत्साहित किया? क्या उत्तर प्रदेश में या अन्य राज्यों में,जहां भाजपा का प्रदर्शन संतोषजनक नहीं था वहां पर उम्मीदवारों के चयन में गलती हुई? हिंदुओं के लिए पूजनीय अयोध्या, रामेरम में मिली हार और प्रधानमंत्री को वाराणसी में पिछली बार के मुकाबले बहुत कम अंतर से मिली जीत भी सवालों के घेरे में है। इन नतीजों के बाद सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत का अहंकार' की ओर इशारा करना भी क्या इस बुरे प्रदर्शन का कारण बना? सूत्रों के अनुसार इस बार के चुनाव में कम सीट आने के पीछे भाजपा में अंदरूनी कलह ने भी एक बड़ी भूमिका निभाई।जिस तरह केंद्र के नेतृत्व द्वारा राज्य की सरकारों व राज्यों के नेताओं की उपेक्षा की गई और वो फिर जनता के सामने आई वह भी इन नतीजों का कारण बनी। भाजपा और संघ के बीच हुए मतभेदों को भी अनदेखा नहीं किया जा सकता। यदि केंद्र और राज्य के नेतृत्व में कोई मतभेद थे तो उन्हें समय रहते एक मर्यादा के तहत हल किया जाना चाहिए था। भाजपा और संघ के कार्यकर्ताओं का इस बार के चुनावों में सक्रिय योगदान नहीं दिखाई दिया उससे देश भर में एक संदेश गया है कि राष्ट्रीय नेतृत्व जमीन से कट गया है। इस बार के चुनाव को इतने चरणों में बांटने से भी कार्यकर्ताओं की सहभागिता में कमी नजर आई। कार्यकर्ताओं को इस बात का पूर्ण विश्वास था कि पिछले दस वर्षों में देश में ऐसे कई बदलाव आए हैं,जो तीसरी बार भी मोदी सरकार को पूर्ण बहुमत दिलाएंगे।इसी के चलते भी कार्यकर्ताओं में उतना उत्साह दिखाई नहीं दिया। वहीं दूसरी ओर देखें तो समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव और उनके कार्यकर्ताओं ने जिस तरह उत्तर प्रदेश के चप्पे-चप्पे पर अपनी नजर बनाए रखी और भागदौड़ की वो काफी फायदेमंद रहा। सपा के उम्मीदवारों का चयन और इंडिया' गठबंधन के घटक दलों का उन पर भरोसा, दोनों ही इन चुनावों में सही साबित हुए। यदि समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता इसी ऊर्जा और रणनीति से अभी से जुटे रहेंगे तो 2027 के विधान सभा चुनावों में भी उनका प्रदशर्न बढ़िया रहेगा। उत्तर प्रदेश के अगले विधान सभा चुनाव में यदि सही रणनीति और सही उम्मीदवारों का चयन हो, यदि वहां की जनता की समस्याओं के समाधान की एक ठोस योजना हो तो उन मतों को भी अपने पाले में लाया जा सकता है जो बुनियादी मुद्दों से भटका दिये गए हैं।इतना ही नहीं, जिस तरह समाजवादी पार्टी को एक विशेष वर्ग के लोगों की पार्टी माना जाता था, उसका भी भ्रम इस बार के चुनावों में टूटा है। सभी हिंदू तीर्थ स्थलों में सपा ने भाजपा को शिकस्त दी है। समाजवादी पार्टी ने जिस तरह एम-वाई' फैक्टर को नए रूप में पेश किया वह भी काम कर गया है। जिस तरह भाजपा हर समय चुनावी मूड में रहती है यदि विपक्षी पार्टियां भी उसी मूड में रहें तो भाजपा को कड़ी टक्कर दे पाएंगी। इसके साथ ही सत्तापक्ष और विपक्ष दोनों को ही इस बात पर भी तैयार रहना चाहिए कि यदि किसी दल को पूर्ण बहुमत नहीं मिलता है तो गठबंधन की सरकार ही विकल्प होता है। यदि कोई भी दल इस अहंकार में रहे कि वो एक बड़ा और प्रभावशाली राजनैतिक दल है और विपक्ष दशर्क दीर्घा में बैठने के लिए है तो फिर उसे तब झटका लगेगा ही जब उसे सरकार बनाने के लिए अन्य दलों के आगे झुकना पड़ेगा। हर दल को जनता के फैसले का सम्मान करना चाहिए। गठबंधन की सरकार में हर वो दल जिसके पास अच्छी संख्या हो वह किसी न किसी बात पर उखड़ भी सकता है। इसलिए भलाई इसी में है कि अपनी गलतियों से सबक लिया जाए और सबका साथ और सबका विकास' अमल में लाया जाए।

-रजनीश कपूर-

शपथ ग्रहण समारोह में विपक्ष नदारद था...

नौ जून को सरकार के शपथ ग्रहण कार्यक्रम में विदेशी मेहमान (पड़ोसी देशों के प्रमुख), फिल्मी मेहमान, कारोबारी मेहमान सब थे, लेकिन देश का विपक्ष नदारद था। राष्ट्रपति भवन के मैदान में हुए बड़े जलसे में देश-विदेश से 8000 से ज्यादा मेहमान बुलाए गए थे।विपक्ष को सम्मानपूर्वक आमंत्रित नहीं किया गया, इसलिए वहां देश की प्रमुख नेता सोनिया गांधी और शरद पवार नहीं दिखे। वाम राजनीति के बड़े चेहरे सीताराम येचुरी और डी राजा भी नहीं थे। जम्मू कश्मीर के बड़े नेता फारुख अब्दुल्ला और लोक सभा में तीसरी सबसे बड़ी पार्टी के नेता अखिलेश यादव भी नहीं पहुंचे।न पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और न तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन नजर आए। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी हिमाचल के मुख्यमंत्री सुखिवंदर सिंह सुक्खू, झारखंड के मुख्यमंत्री चंपई सोरेन की अनुपस्थिति भी खल रही थी। ये सभी देश के भिन्न-भिन्न क्षेत्रों का नेतृत्व करते हैं। विदेशी मेहमान विपक्षी नेताओं से भी परिचित हैं, इसलिए स्वाभाविक है उनके मन में भी यह सवाल आया होगा कि देश की सरकार बनने जैसे खास मौके पर विपक्ष क्यों उपस्थित नहीं रहा? इसे किस तरह से लिया होगा कहने की जरूरत नहीं है।बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना से मिलने जब सोनिया गांधी का परिवार गया होगा तब अन्य बातों के साथ विदेशी मेहमान ने राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा से उनके सरकार के साथ रिश्तों पर भी बात की होगी। विपक्ष का कहना है कि उसे शपथ ग्रहण समारोह में आमंत्रित ही नहीं किया गया था। विपक्ष के सांसदों की भी ऐसे ही शिकायत थी। विपक्ष सच बोल रहा है अथवा झूठ यह तो वह जानता है या फिर सरकार। हालांकि यह भी सच है कि विपक्ष के आरोपों का सरकार ने कोई खंडन नहीं किया। सत्ताधारी दल के कार्यकर्ताओं को शपथ ग्रहण समारोह के आमंतणप्रपत्र पार्टी दफ्तर से लेने में कोई दिक्कत नहीं आई।यहां यह स्पष्ट कर देना जरूरी है कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे जो राज्य सभा में विपक्ष के भी नेता हैं सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए थे। बेमन से राष्ट्रपति भवन पहुंचे खरगे ने कहा कि वह संवैधानिक बाध्यता की वजह से यहां हैं, अपनी खुशी से नहीं। खरगे ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से भेंट करके उनको बधाई दी अथवा नहीं, इसकी जानकारी दोनों नेताओं ने नहीं दी। सरकार बनने के बाद शिष्टाचारवश भी सत्ता पक्ष और विपक्ष के नेता नहीं मिले। विपक्षी नेताओं ने सोशल मीडिया पर भी सरकार को बधाई देने में संकोच किया। पुरानी परंपराएं टूटने लगी है।

-अजय तिवारी-

शिक्षा,साहित्य के चिंतन,मनन से जीवन में उत्कृष्टता

संजीव ठाकुर,
चौबे कॉलोनी,
रायपुर छत्तीसगढ़

» जीवन को परिष्कृत करता साहित्य

साहित्य अध्ययन,उन्नयन मनुष्य के जीवन में उत्कृष्टता का आधार होता है। साहित्य सदैव मनुष्य के जीवन में संवेदना, संवेदनशीलता एवं मानवता लाने का उत्कृष्ट कार्य करता है। हमारा साहित्य, भाषा, हमें आत्मिक गौरव का सदैव अभिभाष कराती है। इसीलिए जीवन में साहित्यिक पुस्तकों का विशेष महत्व है। सतसाहित्य और भाषा से जीवन गरिमा और गहरी संवेदना लिए हुए होता है। वस्तुत अच्छा साहित्य का वाचक, एक प्रशासक, एक अच्छा अभिनेता और एक अच्छा राजनेता बन सकता है। पर दूसरी तरफ एक अच्छा राजनेता, अच्छा प्रशासक, अच्छा अभिनेता बिना भाषा ज्ञान और साहित्यिक मनन के अच्छा साहित्यकार या उत्कृष्ट मानव नहीं हो सकता है। इसके लिए मनुष्य के जीवन में साहित्य के अध्ययन, मनन और चिंतन की आवश्यकता होती है। क्योंकि साहित्य में मानवीय समाज के सुख-दुख, आशा निराशा,उत्थान और पतन का स्पष्ट परिवेश स्वमेव उपस्थित रहता है। साहित्य की इन्हीं सब खूबियों के कारण उसे समाज का प्रतिबिंब कहा जाता है। साहित्य सर्वमान रूप से एक स्वायत्त आत्मा ही है,और साहित्य का रचयिता खुद स्वयं यह नहीं बता सकता कि साहित्य किसके जीवन में कब और क्या क्या परिवर्तन ला सकता है।

मूलतःसाहित्य सत्य के अन्वेषण की साधना और सौंदर्य की अभिव्यंजना भी है। विशुद्ध जीवन एवं उच्च सत साहित्य मानव और समाज की संवेदना और उसकी सहज व्यक्तियों को युगों तक आने वाली पीढ़ियों में संचारित करता रहता है।और यही वजह है कि शेक्सपियर, तुलसीदास की कृतियां आज भी लोगों के हृदय में राज करती है। वैश्विक स्तर पर मनुष्य कितने ही जाति, राजनीति और भौगोलिक तौर पर अनेक गुटों में बट जाए, पर साहित्यिक धरातल एवं परिसीमा में सब एक हैं,सभी का बराबरी का दर्जा है। साहित्य मनुष्य को मानव और एक सहृदय व्यक्ति बनाना सिखाता है। दुनिया के सभी इंसान एक है,उनकी प्रवृत्तियां भी एक जैसी ही है। साहित्य सभी मानव में संवेदना भरकर करुणा, दया तथा परस्पर स्नेह के भाव पैदा करता है। साहित्य समय की धारा से अछूता नहीं रह सकता है। साहित्यकार उस समय काल की धारा में बैठकर उस समय की पीड़ा, संत्रास और उत्पीड़न को लेकर अपनी रचनाएं करता है, और समाज को एक परिष्कृत वातावरण बनाने के लिए प्रेरित करता है। जिस समाज में साहित्यिक परंपरा विशाल एवं समृद्ध है,वह समाज हमेशा से जीवंत और प्रगतिशील माना गया है। सत साहित्य सदैव मानवी सहज प्रवृत्तियों के साथ समय की धारा के साथ परिवर्तित एवं परिमार्जित होता रहा है। और यही कारण है कि एक अच्छा साहित्यकार एक अच्छा मनुष्य माना जाता है। और उसकी कृति युगों युगों तक जनमानस को प्रेरित, उत्प्रेरित तथा उत्साहित करती रहती है। साहित्य भविष्य की रूपरेखा वर्तमान को सामने रखकर सुनिश्चित करते हुए मानव के सोए हुए विवेक शक्ति को जागृत करने का प्रयास करता है। और श्रेष्ठतम साहित्य में मनुष्य के भीतर तथा बाहर के सार्वभौमिक मूल्यों,संदेशों और उद्देश्य को अंतर्निहित किए रहता है। यही कारण है की कबीरदास, रविंद्र नाथ टैगोर, जयशंकर प्रसाद, प्रेमचंद, शेक्सपियर, होमर,मिल्टन मानवीय चेतना के चितेरे साहित्यकार माने गए और उन्हें युगों युगों तक याद किया जाता रहेगा। वास्तव में जीवन साहित्य का आधार है, चाहे वह व्यक्ति विशेष का हो, परिवार का हो, समाज का हो, राज्य का हो या राष्ट्र का हो या संपूर्ण विश्व का जीवन के बिना साहित्य की कल्पना ही असंभव और साहित्य की समृद्धि बिना जीवंत समाज का सम्यक विकास असंभव है। साहित्य, भाषा, संवेदना जीवन का मेरुदंड है। जिंदगी में यथार्थवाद समाविष्ट रहता है और साहित्य आशावादी दृष्टिकोण से परिपूर्ण रहता है, इस तरह जीवन में यथार्थवाद और आशावाद एक दूसरे के पर्याय तथा पूरक हैं। साहित्य वैसे तो मानवीय जीवन में, जो है और जो होना चाहिए उसके बीच का एक जरिया ही है। साहित्य अपनी परिकल्पना उसे मानवीय समाज में मानवीय संबंधों के सुधार की जो आवश्यकता है, उस को रेखांकित करता है। और साहित्य समाज में व्यक्ति की जिंदगी में अपनी परिकल्पना से आल्हाद,उमंग और आनंद भी देता है, जिसकी मानव अपनी जिंदगी सर्वश्रेष्ठ पलों की कामना करता है। मूल रूप से अच्छा रचनाकार, बड़ा साहित्यकार, समय काल में समाज की ही देन होता है। और उसी समाज विशेष की भाषा, संस्कृति, परंपराओं और इतिहास के दायरे में उसकी रचनात्मकता परवान चढ़ती है। अतः जीवन में और साहित्य के मध्य जितना आदान-प्रदान होगा, वहां साहित्य एवं जीवन जीवंत, संवेदनशील और प्रभाव शाली होगा। मनुष्य के जीवन में निराशा, आशंका का प्रादुर्भाव हमेशा से बना रहता है, और साहित्य जीवन में आशा, विश्वास एवं भविष्य की परिकल्पना उसे सुसज्जित रहता है। जीवन को एक नया दृष्टिकोण, एक नई दृष्टि और नया उजाला प्रदान करता है।

सूर्यदेव

पवन तनय
अग्रहरि अद्वितीय
शाहगंज,जौनपुर,
उत्तरप्रदेश

सूर्य देव पीले होते हुए भी
लाल हो रहे हैं
बहुजन के लिए
काल हो रहे हैं
कोई ढाल काम नहीं कर रहा
कोई ताल बाम नहीं दे रहा
सब हैं नतमस्तक
समय से पहले मौत दे रहा दस्तक
नवजवानों को पटक कर
परिवार पर टूट पड़ रहा कहर बन
ऐसा जहर जो
जबर्दस्ती पीना पड़ रहा
अपनों के बिन
पराया बन जीना पड़ रहा
कीमती हार गया एकाएक
मन हार गया देखदेख

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

आओ हम सब वृक्ष लगाएं

लक्ष्मी नारायण
लहरे साहिल
कोसीर
सारंगढ़,छत्तीसगढ़

सूरज की तपती गर्मी
बिजली रानी की मस्ती
दोनों ही गर्मी में नैन मटका करे
समझ लेना जीवन बेहाल होगा
प्रकृति भी साथ न होगा
हमने तो बरसों से सिर्फ और सिर्फ
जंगल काटे
वृक्ष तो उगाए ही नहीं
भला हो उस नीम ,पीपल बरगद का
जिसे पक्षियों ने उगाए
तपती धूप में हमें राहत दिलाए
पक्षियों से अब हमें
सिख लेना ही होगा
पर्यावरण की रक्षा और
संरक्षण करना होगा
उठो हो जाओ तैयार अब तो
नया उपवन गढ़ना होगा
प्रकृति की चिंतन करना होगा
नीम ,पीपल और बरगद का पेड़
नदी और तालाबों के आस -पास
रोपण करना होगा
घर की क्यारी में
आम अमरूद और जामुन लगाएं
स्वच्छ हवा का आनंद पाएं
झुलसती गर्मी में भी
आनंद का पल बिताएं
आओ हम सब मिलकर वृक्ष लगाएं

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

कल का आदमी

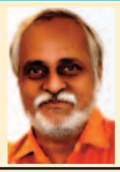

ओत्तेरी सेल्वा
कुमार
चेन्नई
तमिलनाडु

चंद्रमा ठंडा नहीं है सूरज में गर्मी नहीं है
यदि ऐसा है तो...यह पृथ्वी क्या है?
समुद्र सूख जायेगा
नदियाँ रेत के टीले बन जाएँगी।
झीलें हर जगह हैं मकान बन जायेंगे.
कृषि भूमि वे बंजर भूमि बन जायेंगे
तब क्या...?कल इस धरती पर
यहां आदमी तो आदमी है
जीने में असमर्थ.बार-बार
बस बंदर बनकर जीना है
कोशिश रहेगी...
नहीं तो वह पराया हो जायेगा
हाँ... सिवाय इसके कि और क्या?
बड़ी घटनाएँ घटित होने वाली हैं!!!

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

झारखंड से कार में लेकर आ रहा था 10 लाख का नशीला इंजेक्शन,आरोपी गिरफ्तार

» गांधीनगर पुलिस की कार्रवाई, 3000 नग नशीले इंजेक्शन जब्त

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 18 जून 2024 (घटती-घटना)।

गांधीनगर पुलिस ने 17 जून को बनारस मार्ग पर ग्राम चठिरमा के पास चेकिंग के दौरान कार सवार झारखंड के एक युवक शक के आधार पर पकड़ा। वह पुलिस को देखकर भागने लगा था। पुलिस ने जब कार की तलाशी ली तो कार्टूनों में भरे 10 लाख रुपए के 3 हजार नग नशीले इंजेक्शन मिले, जिसे पुलिस ने जब्त कर तस्कर को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी झारखंड से अंबिकापुर पहुंचा था, यहां वह अन्य तस्करों को इसे सप्लाई करने वाला था। पुलिस ने तस्कर को मंगलवार को जेल भेज दिया है।

नवपदस्थ एसपी योगेश पटेल के मार्गदर्शन में नशे के अवैध कारोबारियों सहित अन्य अपराधों में लिप्त लोगों के खिलाफ सरगुजा पुलिस कार्रवाई कर रही है। इसी कड़ी में गांधीनगर पुलिस द्वारा सोमवार को चठिरमा रोड में वाहनों की चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान लटोरी की तरफ से आ रही सफेद रंग की ऑल्टो कार क्रमांक जेएच 01 डीसी-3645 का चालक वाहन चेकिंग होता देख कार बैक कर ले जाने लगा। यह देख पुलिस ने उसे रुकने कहा लेकिन वह कार से उतरकर भागने लगा, जिसे पुलिस ने पीछा कर दबोच लिया। पुलिस की पूछताछ में पता चला कि वह झारखंड के गढ़वा जिला अंतर्गत ग्राम अचला, नवाडीह निवासी पंकज धर दुबे पिता विनोद धर 28 वर्ष है। जब पुलिस ने कार की तलाशी ली तो अलग-अलग कार्टून में 3 हजार नग अवैध प्रतिबंधित नशीला इंजेक्शन कुल मात्रा 18 हजार मिली लीटर पाया गया, जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया। पुलिस द्वारा जब्त नशीले इंजेक्शन की कीमत करीब 10 लाख रुपए बताई जा रही है। पुलिस ने आरोपी से इंजेक्शन के संबंध में पूछताछ की तो उसने बताया कि वह गढ़वा से इसे सप्लाई करने अंबिकापुर ला रहा था। यहां स्थानीय सप्लायरों को देने के बाद वह लौट जाता। इसके बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर कार सहित नशीला इंजेक्शन जब्त कर लिया। पुलिस ने धारा 22 (सी) एनडीपीएस एक्ट के तहत मंगलवार को उसे न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। कार्रवाई में गांधीनगर थाना प्रभारी निरीक्षक प्रदीप जायसवाल, आरक्षक अतुल सिंह, मनीष सिंह, सतीश सिंह, संजीव पाण्डेय, अरविन्द उपाध्याय, उमाशंकर साहू, ऋषभ सिंह, राजेश किंडो व नारायण सिंह शामिल रहे।

यूपी के हथियारबंद बदमाशों ने धनवार आरटीओ चेक पोस्ट के कर्मचारियों को पीटा

- संवाददाता -
वाड्रफनगर, 18 जून 2024 (घटती-घटना)।

जिले के धनवार आरटीओ चेक पोस्ट में सोमवार की देर रात यूपी से आए 1 दर्जन से अधिक हथियारबंद बदमाशों ने जमकर उत्पात मचाया। उन्होंने जहां आरटीओ के कर्मचारियों से मारपीट की, वहीं वहां खड़े वाहनों में तोडफ़ोड़ भी की। वारदात को अंजाम देने के बाद सभी वहां से भाग निकले। सूचना पर पहुंचे आरटीओ चेक पोस्ट प्रभारी की रिपोर्ट पर बसंतपुर पुलिस ने एक नामजद समेत दर्जनभर से अधिक लोगों के खिलाफ अपराध दर्ज कर उनकी खोजबीन शुरु कर दी है।

गौरतलब है कि सोमवार की रात करीब 11-12 बजे के बीच वाड्रफनगर की ओर से पिकअप वाहन क्रमांक यूपी 64 बीटी-5888 धनवार आरटीओ चेक पोस्ट में पहुंची थी। उक्त वाहन का पीछा करते हुए कुछ बाइक सवार भी वहां पहुंचे और उससे पिकअप चालक साहिल खान से हाथापाई शुरु कर दी। यह देख वहां तैनात आरटीओ चेक पोस्ट के कर्मचारियों ने बीच बचाव करते हुए दोनों को शांत कराया और सभी को वापस भेज दिया था। घटना के बाद पिकअप चालक साहिल खान ने अपने घर उत्तर प्रदेश में फोन कर बताया कि उसके साथ आरटीओ चेक पोस्ट पर मारपीट हुई है। पिकअप चालक के फोन करने के बाद रात करीब 1 बजे दर्जनभर से अधिक हथियारबंद लोग आरटीओ चेक पोस्ट पर पहुंच गए और वहां तैनात कर्मचारियों से मारपीट शुरु कर दी। उन्होंने वहां रखी कुर्सियों को भी तोड़ दिया व आने जाने वाले वाहनों के शीशे भी फोड़ डालें। वही आरटीओ चेक पोस्ट के कार्यालय में भी युवकों ने घुसने का प्रयास किया, लेकिन वे इसमें असफल रहे। काफी देर उत्पात मचाने के बाद सभी युवक उत्तर प्रदेश की ओर भाग निकले मामले की रिपोर्ट आरटीओ चेक पोस्ट अधिकारी ने बसंतपुर थाने में दर्ज कराई। इस मामले में बसंतपुर थाना प्रभारी निरीक्षक कुमार चंदन ने बताया कि धारा 147, 148, 149, 186, 294, 323, 353, 454, 427 व 34 के तहत आरोपी साहिल खान व अन्य आधा दर्जन से अधिक बदमाशों के खिलाफ अपराध दर्ज कर विवेचना शुरु कर दी है।

19 जून विश्व सिकल सेल दिवस पर राजमोहिनी भवन में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित

» कलेक्टर भोस्कर ने मंगलवार को जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 18 जून 2024 (घटती-घटना)।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा 01 जुलाई 2023 से सिकल सेल एनिमिया उन्मूलन मिशन प्रारंभ किया गया है। जिसके अंतर्गत 2023 से 2026 तक 0-40 वर्ष आयु वर्ग के सभी व्यक्तियों की सिकल सेल स्क्रीनिंग कर पोर्टल में एन्ट्री की जा रही है। इसी कड़ी में 19 जून 2024 को मनाए जा रहे विश्व सिकलसेल दिवस के तहत जिले में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। मंगलवार को सिकल सेल के प्रति जागरूकता हेतु कलेक्टर श्री विलास भोसकर एवं सीएमएचओ डॉ आरएन गुप्ता द्वारा जागरूकता रथ को भी जारी झंडी दिखाकर रवाना किया गया है।

विश्व सिकल सेल दिवस पर जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन जिला मुख्यालय अम्बिकापुर के माता राजमोहिनी देवी भवन, में समय प्रातः 10.30 बजे से विधायक अम्बिकापुर श्री राजेश अग्रवाल के मुख्य आतिथ्य एवं नगर निगम महापौर डॉ अजय तिर्की के अध्यक्षता में आयोजित किया गया है। उक्त दिवस जिले के समस्त विकासखण्डों के स्वास्थ्य केन्द्रों में सिकल सेल के मरीजों का निःशुल्क जांच एवं परामर्श की जानी है। नोडल अधिकारी डॉ0 श्रीकांत सिंह चौहान ने बताया कि 4480 हितग्राहियों के सिकलिंग जांच का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। 19 जून से 03 जुलाई तक विशेष अभियान चलाकर जांच, कार्ड वितरण और जागरूकता का कार्य किया जायेगा।

कठपुतली है प्रदेश की सरकार,चल रही है पीएमओ के नियंत्रण में : शफी अहमद

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 18 जून 2024 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ में विष्णुदेव सरकार आने के बाद प्रदेश में कानून व्यवस्था की अराजक स्थिति, आगजनी की घटनाओं एवं प्रशासनिक नाकामी को लेकर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आवाहन पर जिला कॉग्रेस कमेटी सरगुजा ने आज मंगलवार को 1 दिवसिय धरना प्रदर्शन का आयोजन किया। अम्बिकापुर में गांधी चौक के पास स्थित डॉटा सेंटर के पास आयोजित इस धरना प्रदर्शन में जिले के सभी वरिष्ठ कांग्रेसियों के साथ ही बडी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं और ग्रामीण क्षेत्रों से आये लोगों ने भी भाग लिया। गौरतलब है कि हाल ही में बलौदा बजार जिला मुख्यालय में जिलाध्यक्ष कार्यालय सहित सैकडों वाहनों में आंदोलन के दौरान आगजनी की घटना हुई थी। करीब 1 माह पूर्व समनामी समाज के धर्मस्थल के अपमान का मामला सामने आने के बाद समाज ने इसकी शिकायत बलौदा बजार के स्थानीय प्रशासन को दी थी। किंतु 1 माह बाद भी कारवाई के नाम पर लीपापोती करने से समाज में आक्रोश व्याप्त था। प्रदेश सरकार ने इस ममले को गंभीरता से नहीं लिया। नतीजतन बलौदा बजार की आगजनी का खामियाजा वहां के निर्दोष लोगों को भुगतना पडा।

धरना को संबोधित करते हुए प्रदेश कांग्रेस के उपाध्यक्ष जेपी श्रीवास्तव ने प्रदेश सरकार को असफल बताया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सरकार ने प्रदेश के प्रशासनिक ढांचे पर जो मेहनत की थी, उसे विष्णुदेव सरकार ने छह महीने में धराशायी कर दिया। सभा को संबोधित करते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री द्वितेन्द्र मिश्रा ने कहा कि विष्णुदेव सरकार में प्रशासनिक कार्यकुशलता की कमी है। उन्हें मालूम ही नहीं किस प्रकार से शासन प्रशासन करना चाहिये। इस कमी का नतीजा प्रदेश की जनता भुगत रही है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्रम कल्याण बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष शफी अहमद ने सिलसिलेवार ढंग से बलौदाबजार के साथ ही प्रदेश में कानून व्यवस्था की खराब हो रही स्थिति का विवरण दिया। उन्होंने बताया कि वास्तव में प्रदेश की सरकार कठपुतली सरकार है जो कि पीएमओ के नियंत्रण में चल रही है।पीएमओ को छत्तीसगढ के हालात की जानकारी ही नहीं है। इस कारण प्रदेश का प्रशासन भगवान भरोषे चल रहा है। कार्यक्रम को संबोधित करते एवं वक्ताओं एवं प्रदर्शन में शामिल लोगों का आभार जताते हुए जिला कांग्रेस अध्यक्ष राकेश गुप्ता ने सरगुजा संभाग में प्रशासनिक असफलताओं का विवरण पेश किया। साथ ही उन्होंने महामहिम राज्यपाल को प्रदेश की सरकार को बर्खास्त करने की भी मांग की। धरना प्रदर्शन के उपरांत धरनास्थल पर प्रदेश की भाजपा सरकार के नाकामियों के 7 बिंदुओं को रेखांकित करते हुए महामहिम राज्यपाल के नाम एक ज्ञापन जिला प्रशासन को दिया। कार्यक्रम का संचालन दुर्गेश गुप्ता के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में मो. इस्लाम, राजीव प्रताप सिंह, मो. अब्बास, नुरुल अमीन सिद्धकी, इरफान सिद्धकी,सीमा सोनी, संजीव मंदिलवार, शैलेन्द्र प्रताप सिंह, अजय सिंह, विकल झा, अनूप मेहता, आशीष वर्मा, गुरुप्रीत सिद्धू, नरेन्द्र विश्वकर्मा, मो. जमील, दीपक मिश्रा, शुभम जायसवाल, सुदामा कुर्रे, गीता श्रीवास्तव, गीता प्रजापति, पूर्णिमा सिंह, रुही गजाला, काजू खान, मो0 बाबर मो0 कलीम अंसारी, बबन सोनी, राजनीश सिंह, चंद्रप्रकाश सिंह, विकास केशरी, अमित सिंह, पंकज शुक्ला, अविनाश कुमार,प्रिति सिंह, सरला राय, तरनजीत बाबरा, गोलू सिद्धकी आदि शामिल हुए।

नाबालिग बालिका से बलात्कार, युवक गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 18 जून 2024 (घटती-घटना)।

नाबालिक बालिका से बलात्कार का मामला सामने आया है। साथ में काम करने वाला मजदूर ने 13 जून को जबरन घर में लेजाकर बलात्कार किया था। पीड़िता की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार पीड़िता 13 जून को गांव में ही इंट्ट भरने का काम करने गई थी। काम खत्म होने पर शाम को जब वह घर जाने लगी तो साथ में काम करने वाला काराबेल सीतापुर निवासी जयकुमार लकड़ा ने उसे रूकने के लिए बोला। कुछ देर बाद पीड़िता पुन: घर जाने लगी तो जयकुमार ने उसे जबरन खींचकर घर के अंदर ले गया और उसके साथ बलात्कार किया। पीड़िता ने मामले की जानकारी घर आकर परिजन को दी। इसके बाद 17 जून को पीड़िता मामले की रिपोर्ट थाना में दर्ज कराई थी। पीड़िता की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 363, 366, 376 एवं पोक्सो एक्ट की धारा 4 का अपराध दर्ज कर जेल दाखिल कर दिया है। कार्रवाई में थाना प्रभारी सीतापुर निरीक्षक जॉन प्रदीप लकड़ा, उप निरीक्षक आर. आर. भगत, सहायक उप निरीक्षक शशिप्रभा दास, महिला आरक्षक पुष्पा लकड़ा, अनामिका बड़ा, सैनिक विनय लकड़ा शामिल रहे।

होटल,लॉज ढाबा में चलाया गया चेकिंग अभियान

- संवाददाता -

अंबिकापुर, 18 जून 2024 (घटती-घटना)। जिले में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस द्वारा चेकिंग अभियान चलाया गया। सरगुजा पुलिस द्वारा विभिन्न थाना क्षेत्र अंतर्गत होटल, लॉज, ढाबा, धर्मशाला की सघन जांच की गई और संदिग्धों से पूछताछ की गई।

सोमवार की शाम को सघन चेकिंग अभियान चलाकर 35 से अधिक होटल, लॉज ढाबा की चेकिंग की गई है। जिले में सख्त सुरक्षा व्यवस्था बनाये रखने हेतु संदिग्धों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। साथ ही सभी पुलिस पेट्रोलिंग पार्टी को अपने-अपने थाना क्षेत्रों में लगातार गस्त कर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने हेतु निर्देशित किया गया है। साथ ही जिले के सभी प्रमुख चौक चौराहों पर पुलिस टीम द्वारा सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है।

रेल संघर्ष समिति के सदस्यों ने सांसद से की मुलाकात

» रेल संघर्ष समिति के सदस्यों ने सांसद से की मुलाकात

» अंबिकापुर रेणुकूट रेल विस्तार की मांग को जल्द पूरा कराने किया अनुरोध...

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 18 जून 2024 (घटती-घटना)।

रेल संघर्ष समिति के सदस्यों व प्रबुद्ध नागरिकों ने सांसद निवास जाकर चिंतामणि महाराज के सांसद निर्वाचित होने पर उन्हें बधाई व शुभकामनाएं देते हुए अंबिकापुर रेणुकूट रेल विस्तार की मांग को जल्द पूरा कराने का अनुरोध किया। समिति के सदस्यों ने जन भावना के अनुरूप इस रेल लाइन के निर्माण के लिए पदयात्रा, हस्ताक्षर अभियान, समर्थन पत्र से लेकर पंचायतों के प्रस्ताव तक के प्रयासों की जानकारी दी।

अंबिकापुर रेणुकूट रेल लाइन का डीपीआर और एफएलएस पिछले अक्टूबर माह में रेलवे बोर्ड को जमा कर दिया गया है। पूर्व मध्य रेलवे द्वारा विंढमगंज अंबिकापुर रेल लाइन के रिवाइज्ड एफएलएस भी माह के अंत तक रेलवे बोर्ड में जमा होने की संभावना है। इसके बाद अंबिकापुर रेल लाइन को विंढमगंज से रेणुकूट के बीच निर्धारित स्थान पर जोड़े जाने के संबंध में अंतिम निर्णय लिया जाएगा। सरगुजा अंचल की जन भावना अंबिकापुर को रेणुकूट से रेल मार्ग के माध्यम से जोडऩे की है। यह प्रस्तावित मार्ग अन्य वैकल्पिक मार्गो की तुलना में लघुतर, कम लागत वाला और अपेक्षाकृत अधिक उपयोगी है। अंबिकापुर रेणुकूट प्रस्तावित रेल मार्ग के समीप जगन्नाथपुर ओसीपी 3.5 मिलियन टन प्रतिवर्ष की कोल खदान संचालित है, जिसमें आगामी 20 वर्ष तक उत्पादन हो सकता है।

मदन नगर में 15 मिलियन टन प्रतिवर्ष उत्पादन देने वाली माइंस चालू होने वाली है जो आगामी 25 साल चलने वाला प्रोजेक्ट रहेगा। इसके अतिरिक्त भवानी प्रोजेक्ट कल्याणपुर,बरतीकलां वाड्राफनगर, बगड़ा, कोटेया जैसे कई कोल प्रोजेक्ट इस रेल मार्ग के नजदीक है। सरगुजा अंचल कोयला उत्पादन के लिए जाना जाता है साथ ही पड़ोसी राज्य उत्तर प्रदेश एवं मध्य प्रदेश का सिंगरौली क्षेत्र भी कोयला उत्पादक क्षेत्र है। आपस में जुड़ जाने पर यह कोयला परिवहन के लिए स्वर्णिम अवसर उपलब्ध कराएगा जो आर्थिक दृष्टि से अत्यधिक लाभप्रद एवं व्यवहारिक है। अंबिकापुर रेणुकूट रेल मार्ग का रेट ऑफ़ रिटर्न भी प्रस्तावित सभी मार्गों में अत्यधिक रहेगा। सांसद चिंतामणि महाराज ने जन भावना को ध्यान में रखते हुए अंबिकापुर रेणुकूट रेल विस्तार के अभियान में गंभीरता के साथ इस संकल्पना को मूर्त रूप देने के लिए हर संभव मदद का आश्वासन दिया। इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता आलोक दुबे,कैलाश मिश्रा, चंद्रशेखर तिवारी,मुकेश तिवारी, अधिवक्ता रमेश द्विवेदी,कांत दुबे, भूपेंद्र सिंह, मंगल पांडे, रिंकू वर्मा,अजय तिवारी, रमेश जायसवाल, जितेंद्र सिंह, पीयूष त्रिपाठी, संतोष बिहाड़े गोल्डी, राहुल त्रिपाठी,आशुतोष प्रजापति, जमुना यादव, प्रकाश साहू पंकज चौधरी सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

CMYK

श्रीलंकाई नौसेना ने चार भारतीय मछुआरों को किया गिरफ्तार,अवैध रूप से मछली पकड़ने का लगाया आरोप

नई दिल्ली,18 जून 2024। श्रीलंकाई नौसेना ने मंगलवार को चार भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया। नौसेना ने उन पर अपने जल क्षेत्र में कथित तौर पर अवैध रूप से मछली पकड़ने के आरोप लगाया है। इस तरह के आरोपों में इस साल अब तक 180 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया है।

द्वीप राष्ट्र की नौसेना ने एक बयान में कहा कि जाफना प्रायद्वीप के डेल्फ्ट के उत्तरी द्वीप में आज कथित तौर पर अवैध शिकार की ताजा घटना में एक भारतीय नौका जब्त की गई और चार मछुआरों को गिरफ्तार किया गया।

नौसेना ने कहा कि श्रीलंकाई जल क्षेत्र में कथित तौर पर अवैध मछली पकड़ने के लिए 2024 में अब तक 182 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया गया है और उनकी 25 नौकाएं जब्त की गई हैं। पिछले साल 2023 में 240 से 245 लोगों को गिरफ्तार किया गया था। इस तरह की ज्यादातर घटनाएं पाक जलडमरूमध्य में होती हैं। यह तमिलनाडु से उत्तरी श्रीलंका के बीच एक पट्टी है। यह मछलियों के लिए समृद्ध क्षेत्र माना जाता है।

श्रीलंका के मत्स्य मंत्रालय ने कहा कि भारती द्वारा कथित तौर पर अवैध रूप से मछली पकड़ने के मुद्दे पर विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ चर्चा की जाएगी, जब वह 20 जून को यहां आएंगे।

भारत और श्रीलंका के संबंधों में मछुआरों का मुद्दा एक विवादास्पद मुद्दा है। श्रीलंका के नौसैनिकों ने पाक जलडमरूमध्य में भारतीय मछुआरों पर गोलीबारी भी की थी और श्रीलंका के जल क्षेत्र में अवैध रूप से प्रवेश करने के लिए उनकी नौकाओं को जब्त किया।

भारतीय मूल के डॉक्टर मेनन को मिला ब्रिटेन का प्रतिष्ठित CBE पुरस्कार

किंग चार्ल्स तृतीय ने किया सम्मानित

लंदन,18 जून 2024। भारतीय मूल के मस्तिष्क आघात विशेषज्ञ (ब्रेन ट्रॉमा एक्सपर्ट) और कैंब्रिज विश्वविद्यालय में एनेस्थीसिया के प्रोफेसर डेविड कृष्ण मेनन को ब्रिटेन के प्रतिष्ठित पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। उन्हें यह सम्मान 'न्यूरोक्रिटिकल केयर में सेवाओं' के लिए दिया गया है। प्रोफेसर डेविड कृष्ण मेनन कैंब्रिज विश्वविद्यालय में एनेस्थीसिया विभाग के प्रमुख हैं। उन्हें ब्रिटेन के प्रतिष्ठित पुरस्कार 'कमांडर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द ब्रिटिश एम्पायर' (सीबीई) से सम्मानित किया गया।

मैं सम्मानित महसूस कर रहा हूं-प्रोफेसर मेनन

प्रोफेसर मेनन ने पुडुचेरी के जवाहरलाल इंस्टीट्यूट ऑफ पोस्टग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च में मेडिसिन, एनेस्थीसिया और गहन देखभाल में प्रशिक्षण लिया था। उन्होंने इसके बाद कैंब्रिज में एडेनब्रुक के राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा (एनएचएस) शिक्षण अस्पताल में न्यूरोसाइंसेज क्रिटिकल केयर यूनिट (एनसीसीयू) की स्थापना की। प्रोफेसर मेनन ने इस सम्मान पर खुशी जताते हुए कहा 'मैं सीबीई पुरस्कार के लिए नामांकित होने पर सम्मानित महसूस कर रहा हूं। मैं उन सभी की तरफ से इस सम्मान को स्वीकार करता हूं, जिन्होंने मेरे साथ काम किया।'

दिल्ली में हुआ था प्रोफेसर मेनन का पालन-पोषण

डॉक्टर डेविड कृष्ण मेनन का पालन-पोषण दिल्ली में हुआ है। उनके पिता पी.जी.के मेनन दिल्ली में ऑल इंडिया रेडियो में वरिष्ठ अधिकारी हैं।

कैंब्रिज यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल्स (सीयूएच) एनएचएस फाउंडेशन ट्रस्ट का कहना है कि एनसीसीयू के पहले निदेशक के रूप में प्रोफेसर मेनन ने ब्रिटेन में न्यूरोक्रिटिकल देखभाल के लिए पहले मान्यता प्राप्त प्रशिक्षण कार्यक्रम का बीड़ा उठाया।

पुतिन 24 वर्षों में पहली बार उत्तर कोरिया का दौरा करेंगे

मास्को,18 जून 2024। 24 वर्षों में प्योंगयांग की अपनी पहली यात्रा से पहले, रूसी राष्टपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन में मास्को के युद्ध का दृढ़ता से समर्थन करने के लिए उत्तर कोरिया के किम जोंग-उन शासन की प्रशंसा की है।

पुतिन के मंगलवार को किम से मिलने के लिए प्योंगयांग पहुंचने की उम्मीद है।

दोनों नेताओं की पिछली मुलाकात सितंबर में रूस के सुदूर पूर्व में वोस्टोचनी कॉस्मोड्रोम में हुई थी, लेकिन बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, 2000 के बाद से पुतिन की यह पहली प्योंगयांग यात्रा है।

उत्तर कोरियाई सरकारी मीडिया में प्रकाशित एक पत्र में, पुतिन ने प्योंगयांग के साथ व्यापार और सुरक्षा प्रणाली बनाने का वादा किया जो पश्चिम द्वारा नियंत्रित नहीं हैं। राष्ट्रपति पुतिन ने उत्तर कोरिया की सत्तारूढ़ पार्टी के मुखपत्र रोडोंग सिनमुन में छपे लेख में अमेरिकी दबाव, ब्लैकमेल और सैन्य धमकियों के बावजूद अपने हितों की रक्षा के लिए प्योंगयांग के प्रयासों का समर्थन करने की भी कसम खाई। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने कहा कि दोनों देश पश्चिमी देशों की उन महत्वाकांक्षाओं का दृढ़ता से विरोध करना जारी रखेंगे, जो न्याय के लिए परस्पर सम्मान पर आधारित बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था की स्थापना में बाधा उत्पन्न करती हैं।

शीर्ष अदालत का लैंगिक समानता विधेयक के खिलाफ फैसला,राष्ट्रपति ने रखा चयन समिति के गठन का प्रस्ताव

कोलंबो,18 जून 2024। श्रीलंका की सुप्रीम कोर्ट ने लैंगिक समानता विधेयक के खिलाफ फैसला सुनाया है। शीर्ष अदालत ने कहा कि लैंगिक समानता विधेयक की व्यवस्था संविधान के अनुच्छेद 12 के साथ मेल नहीं खाती। इसके बाद श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने फैसले पर गौर करने के लिए एक चयन समिति गठित करने का प्रस्ताव रखा है। लैंगिक समानता विधेयक का उद्देश्य श्रीलंका में सभी के लिए समान अवसर प्रदान करना है।

शीर्ष अदालत ने क्या कहा?

अदालत में लैंगिक समानता विधेयक के खिलाफ याचिकाएं दायर की गईं थीं। इनमें तर्क दिया गया था कि अगर विधेयक पारित हो जाता है तो विभिन्न समुदायों की सांस्कृतिक

संवेदनशीलता को नुकसान पहुंच सकता है। याचिकाकर्ताओं ने यह दलील भी दी कि यह विधेयक समलैंगिक विवाह की अनुमति देगा। इसके बाद शीर्ष अदालत ने भी माना कि देश में समलैंगिक विवाह की अनुमति देना संवैधानिक और सांस्कृतिक रूप से गलत होगा।

अदालत ने फैसला सुनाया है कि इस विधेयक को अपनाने के लिए संसद के दो-तिहाई सदस्यों की स्वीकृति जरूरी है। इसके अलावा अदालत ने जनमत संग्रह का भी सुझाव दिया है। शीर्ष अदालत ने लैंगिक समानता विधेयक की एक धारा को खारिज करते हुए इसके खिलाफ फैसला सुनाया। इसके साथ ही इस विधेयक को लेकर निचली अदालतों द्वारा लिए गए सभी फैसले भी रद्द हो गए हैं। हाल ही में श्रीलंका में महिला अधिकारियों को लेकर दस न्यायाधीशों की एक पीठ ने लैंगिक समानता विधेयक के पक्ष में फैसला सुनाया था।

चयन समिति का हो गठन- विक्रमसिंघे

राष्ट्रपति विक्रमसिंघे ने संसद में अदालत के फैसले पर सवाल उठाते हुए कहा कि सदन शीर्ष अदालत के फैसले से सहमत नहीं है। न्यायालय ने दंड संहिता में संशोधन को भी नजरअंदाज कर दिया है। विक्रमसिंघे ने विशेषाधिकार का मुद्दा उठाते हुए संसद में कहा कि अदालत का यह फैसला निजी शिक्षा विधेयक को भी चुनौती देता है। उन्होंने संसद में अदालत के फैसले पर गौर करने के लिए एक चयन समिति को गठित करने का प्रस्ताव रखा। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि चयन समिति में अधिकांश महिला सदस्यों को नियुक्त किया जाए।

पूर्व पीएम थकसिन शिनावात्रा जमानत पर रिहा,शाही परिवार को बदनाम करने का है आरोप

थाईलैंड,18 जून 2024। थाईलैंड के पूर्व प्रधानमंत्री थाकसिन शिनावात्रा को 2015 के एक साक्षात्कार के दौरान की गई टिप्पणियों से जुड़े मामले में अभियोग चलाने के बाद 500,000 बाहत की जमानत पर रिहा कर दिया गया है। दरअसल आज केस चलाने के लिए मौजूद होने पर उन्हें जमानत मिली है। उनकी रिहाई की शर्तों में उनका पासपोर्ट सरेंडर करना और अदालत की अनुमति के बिना थाईलैंड छोड़ने पर प्रतिबंध शामिल है। जमानत देने का निर्णय इस आश्वासन के तहत किया गया था कि थाकसिन भागेंगे नहीं, सबूतों के साथ छेड़छाड़ नहीं करेंगे, हानिकारक कृत्यों में शामिल नहीं होंगे या न्यायिक कार्यवाही में बाधा नहीं डालेंगे।

थाईलैंड की राजशाही को बदनाम करने का आरोप

पूर्व प्रधानमंत्री थाकसिन शिनावात्रा पर थाईलैंड की राजशाही को बदनाम करने के आरोप में मंगलवार को औपचारिक रूप से केस दर्ज कराया गया है। जो देश की

राजनीति को अस्थिर करने वाले कई अदालती मामलों में से एक है। अटॉर्नी जनरल कार्यालय के प्रवक्ता प्रयुथ बेजरागुना ने संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि थकसिन ने सुबह नौ बजे से कुछ मिनट पहले अभियोजकों के समक्ष अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और अभियोग प्रक्रिया पूरी की गई। माना जा रहा है कि थकसिन एक कार में सवार होकर बैंकॉक के अपराध न्यायालय पहुंचे।

न्यायिक प्रक्रिया का हिस्सा बनने को तैयार शिवनात्रा

हालांकि, थकसिन शिनावात्रा ने इस दौरान संवाददाताओं से नहीं मिले और ये भी स्पष्ट नहीं है कि वो न्यायालय गए थे या पास के अभियोजक कार्यालय में गए। उनके वकील विन्यात चैतमोंत्री ने संवाददाताओं को बताया कि थकसिन न्यायिक प्रक्रिया का हिस्सा बनने के लिए तैयार हैं और उन्होंने जमानत पर रिहाई के लिए अर्जी भी तैयार कर ली है।

थाईलैंड में लेसे मैजेस्टे का बढ़ रहा इस्तेमाल

थाईलैंड में राजतंत्र को बदनाम करने के लिए बनाए गए कानून के तहत किसी भी शख्स को तीन से 15 साल तक की जेल की सजा हो सकती है। इस कानून को लेसे मैजेस्टे के नाम से जाना जाता है और ये दुनिया के इस तरह के सबसे कठोर कानूनों में से एक है। फिलहाल थाईलैंड में सरकार के आलोचकों को सजा देने के लिए इस कानून का इस्तेमाल काफी बढ़ रहा है।

18 साल पहले थाईलैंड की राजनीति से बेदखल किए पूर्व प्रधानमंत्री थकसिन शिनावात्रा आज भी देश में एक प्रभावशाली राजनीतिक हस्ती है।

गेऊर नर्सरी में आयोजित हुआ सम्मान समारोह,राजपुर समिति तेन्दूपत्ता खरीदी व भुगतान में जिले में नंबर वन

- संवाददाता -
राजपुर,18 जून 2024 (घटती-घटना)।

राजपुर प्राथमिक वनोंपज सहकारी समिति वन परिक्षेत्र राजपुर जिला यूनियन बलरामपुर के तत्वाधान में गेऊर नर्सरी में समिति द्वारा तेंदूपत्ता सीजन 2024 में सफल संपादन के बाद फड़ मुंशी,फड़ अभीरक्षक के लिए सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। सम्मान समारोह कार्यक्रम में फड़ मुंशी,फड़ अभीरक्षों को जिला कार्यालय से प्राप्त गमछा के साथ पोषक अधिकारी एवं प्रबंधक के स्वयं व्यय से गमछा सभी 17 फड़ मुंशी फड़ अभिरक्षकों को टिफिन देकर सम्मानित किया गया साथ ही भविष्य में और त्वरित रूप से कार्य करने के लिए प्रेरित किया गया।

जिला यूनियन के अध्यक्ष लालसाय मिंज ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सभी फड़ मुंशी और फड़ अभिरक्षक के साथ प्रबंधक व पोशाक अधिकारियों को इस कार्य के लिए आभार व्यक्त करता हूं बताया कि बलरामपुर जिला में कुल 44 समितियां काम करती हैं जिसमें 64 लाट बनाया गया है जिसके तहत इस सीजन में लगभग 79 करोड रुपए का तेंदूपत्ता क्रय किया गया है जो संग्राहकों के खाते में हस्तांतरित करने की प्रक्रिया जारी है एक जिले में सबसे ज्यादा राशि पूरे छत्तीसगढ़ में हमारे जिले में संग्राहकों को मिल रहा है जो खुशी की बात है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रबंधक सुरेश सोनी ने कहा कि तेंदू पत्ता सीजन 2024 में राजपुर समिति में कुल संग्रहित मात्रा 3436.900 से राशि 18902950 रुपए का भुगतान ऑनलाइन के माध्यम से तथा 13753905 ऑफलाइन से भुगतान आरटीजीएस के माध्यम से 5149045 रुपए का भुगतान किया गया। समिति द्वारा टीम भावना से कार्य करने पर पूरे जिला में सबसे पहले कार्य पुर्ण हो सका है जिसमें हमारे फड़ मुंशी साथी वह फड़ अभीरक्षको का मेहनत के साथ एसडीओ रेंजर पोशाक अधिकारी के साथ जिला यूनियन के अध्यक्ष लालासर मिंज के कुशल नेतृत्व में संभव हो पाया है,उन्होंने इसके लिए समिति के ओर से सभी का धन्यवाद दिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राजपुर रेंजर महाजन साहू ने कहा कि इस बार तेंदूपत्ता का फसल ठीक था, हमारे परिक्षेत्र अंतर्गत कुल तीन समितियां हैं जिसमें इस साल 11225.070 मानक बोरा संग्रहण हुआ जिसके तहत परिक्षेत्र अंतर्गत 61737850 का भुगतान संघ के निर्देश पर ऑनलाइन व ऑफलाइन में हो रहा है जिसमें राजपुर समिति में सबसे पहले संग्रहकों भुगतान कराकर परिक्षेत्र का नाम रोशन किया है।

अंत में सभा को संबोधित करते हुए पोषक अधिकारी अशोक शुक्ला ने कहा कि मैं पहली बार पोशाक अधिकारी बना हूं और राजपुर समिति के संगठित टीम के वजह से अपने कार्य को जिले में सबसे पहले संघ व जिला के निर्देशानुसार कर पाने में सफलता मिली है जिसमें हमारे प्रबंधक के अलावा हमारे एसडीओ रेंजर फड़ अभिरक्षक फड़ मुंसी के कुशल निर्देशन में हो पाया है।

फड़ मुंसी संघ की ओर से लक्ष्मण टेकाम ने सम्मान समारोह आयोजित करने के लिए राजपुर रेंजर,पोषक अधिकारी,जिला अध्यक्ष व प्रबंधक का आभार व्यक्त किया।

इस दौरान जिला यूनियन के अध्यक्ष लाल साय मिंज,वन परिक्षेत्र अधिकारी महाजन साहू,पोषक अधिकारी अशोक शुक्ला,प्रबंधक सुरेश सोनी,फड़ अभीरक्षक रंजीता मिंज, सुनीता कुजूर,रामचंद्र जायसवाल,धिरेन्द्र प्रताप सिंह,राजेश कुमार खलखो,धनंजय कुमार,महिला बाल विकास से श्रीमती लीलावती चेरवा,श्रीमती सुचिता किंडो, श्रीमती मुन्नी खल्खो, कुमारी दिलेश्वरी लकड़ा, श्रीमती लीलावती जायसवाल, श्रीमती सरिता यादव, श्रीमती श्यामपती, श्रीमती विराजो एक्का,फड़ मुंशी बजरु तिर्की,भरत सिंह मरावी, दीपक यादव,विचरण तिर्की,पंकज दास,बरसाती मिंज,टि. एस. राम,ईश्वर तिर्की, लक्ष्मण टेकाम, मुकेश दास,फल साय, शिवनाथ गुप्ता,सुखन राम,अर्जुन यादव,श्रीमती फुल सुंदरी,आलोक सिंह,सुशील ठाकुर डिप्टी रेंजर, अश्वनी सिंह बैग पोषक अधिकारी के साथ अन्य लोग मौजूद थे।

जिले के 81 हजार से अधिक किसानों के खाते में 16.93 करोड़ रुपए की राशि का हुआ अन्तरण

- संवाददाता -
अंबिकापुर,18 जून 2024 (घटती-घटना)।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा मंगलवार को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत किसानों को 17 वीं किश्त की राशि का अंतरण किया गया। प्रधानमंत्री ने उत्तरप्रदेश राज्य के वाराणसी में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होकर देश के 9.26 करोड़ से अधिक किसानों के खाते में 20 हजार करोड़ रुपये की राशि डीबीटी के माध्यम से ट्रांसफर किया।

इसी कड़ी में जिले के अम्बिकापुर के कृषि विज्ञान केंद्र में जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जहां से अम्बिकापुर विधायक श्री राजेश अग्रवाल, कलेक्टर श्री विलास भोस्कर, कृषि विभाग के संयुक्त संचालक श्री यशवंत, कृषि विज्ञान केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं समन्वयक डॉ राजेश चौकसे, वरिष्ठ

» **प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत 17वीं किश्त की राशि जारी**

» **प्रधानमंत्री के हाथों सरगुजा की कृषि सखी अनिता को मिला प्रमाण पत्र**

वैज्ञानिक श्री सूर्या गुप्ता, उपसंचालक कृषि सरगुजा श्री पी दिवान, उपसंचालक कृषि सूरजपुर श्री प्रदीप एक्का, जनप्रतिनिधियों में श्री लल्लन प्रताप सिंह,श्री बाबूलाल अग्रवाल, श्री मधुसूदन शुक्ला, श्री संजीव शर्मा,श्री रजनीश पाण्डेय सहित अन्य स्थानीय जनप्रतिनिधि,अधिकारी-कर्मचारी, हितग्राही कृषक कार्यक्रम में वर्चुअली उपस्थित रहे।

विधायक श्री राजेश अग्रवाल ने राशि अंतरण हेतु सभी कृषकों को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि यह सम्मान निधि किसानों के आर्थिक उन्नति के लिए लाभकारी होगी।उन्होंने इस दौरान सभी से पेड़ अवश्य लगाने की भी अपील की।

जिले के 81 हजार से अधिक किसानों के खाते में आए 16.93 करोड़ रुपए की राशि का हुआ अन्तरण

कार्यक्रम में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के 17वीं क़िस्त के रूप में जिले के 81 हजार 962 किसानों के खाते में 16 करोड़ 93 लाख रुपए की राशि अंतरित की गई। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना भारत सरकार की एक फ्लैगशीप योजना है जो फरवरी 2019 से कियान्वित है। इस योजनांर्गत भारत सरकार द्वारा पात्र कृषि भूमि धारक पंजीकृत कृषकों को प्रति वर्ष 3 किस्तों में कुल छह हजार की सम्मान राशि उनके आधार लिंक एवं डीबीटी सक्षम, सक्रिय बैंक खातें में अंतरित की जाती है। जिन कृषकों का ई केवायसी, आधार सीडिंग एवं लैंड सीडिंग कार्य पूर्ण है, के बैंक खातें में किस्त की राशि तुरंत अंतरित होता है।

प्रधानमंत्री के हाथों सरगुजा की कृषि सखी अनिता को मिला प्रमाण पत्र

पीएम किसान की किस्त जारी करने के कार्यक्रम के साथ-साथ प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कृषि सखियों के रूप में 30 हजार से अधिक स्वयं सहायता समूहों को प्रमाण पत्र प्रदान किया। उन्होंने प्रतीकात्मक रुप से 5 कृषि सखियों को प्रमाण पत्र वितरित किया। इस दौरान सरगुजा जिले के मैनपाट विकासखण्ड के जमकानी की कृषि सखी श्रीमती अनिता मोदी को प्रधानमंत्री श्री मोदी के हाथों प्रमाणपत्र प्राप्त हुआ। अनिता ने कृषि सखी एवं मैनेज संस्था द्वारा नैचुरल फ़ार्मिंग में प्रशिक्षण प्राप्त किया है। अनिता विगत 4 वर्षों से कृषि सखी के रूप में कार्य कर रहीं है।

क्या गेज बांध मुआवजा प्रकरण में फिर शुरू हुई दलाली ?

क्या अंकिता सोम के मार्गदर्शन में ही हो रहा है मुआवजे की राशि का वितरण?

पहले थे कांग्रेस से जुड़े दलाल अब भाजपाई दलाल सक्रियःसूत्र | **शहर के एक होटल में दलाल के साथ किस अधिकारी की हुई मीटिंग** | **दलाल के लिए किस जनप्रतिनिधी ने किया था अधिकारी को फोन** | **शासन ने गेज बांध मुआवजा के लिए भेजे 12 करोड़,2.5 करोड़ की निकासी भी हो चुकी**

कोरिया जिले में प्रशासनिक अव्यवस्था चरम सीमा पर,आखिर अपर कलेक्टर बनने के बाद भी अंकिता सोम को एसडीएम पद पर क्यों बैठाया गया है ?

पहले थे कांग्रेसी दलाल अब भाजपाई दलाल सक्रिय

गेज बांध मुआवजा प्रकरण मामला एक गंभीर विषय बन चुका है,इसमें खेल चल रहा है खेल अधिकारियों के द्वारा ही खेला जा रहा है पूरा सेटिंग दलाल के द्वारा किया जा रहा है। जिन भू स्वामियो को लाखों में राशि मिलनी थी 30 साल से एक फूटी कौड़ी नही मिली। अब यदि 80 के जगह 40 ही मिल रहा है तो उसमें भू स्वामी भी खुश है कुछ तो मिला। बहुत बड़ा सवाल है कि पहले या कहें कि भूपेश सरकार के कार्यकाल में इस प्रकरण में कांग्रेसी दलाल लगे हुए थे अब सरकार बदलने के बाद भाजपाई दलाल सक्रिय हो गए है। जो भाजपाई गेज बांध मुआवजा प्रकरण पर साल भर पहले आरोप लगा रहे थे वहीं अब इस प्रकरण में अपनी भूमिका निभा रहे हैं जैसा कि सूत्रों का कहना है।

मुआवजा के लिए 12 करोड़ आया,2.5 करोड़ निकलाः सूत्र

गेज बांध का प्रकरण 30 साल पुराना है लेकिन इस प्रकरण की राशि अभी प्राप्त हुई है,सूत्रों का कहना है कि शासन द्वारा लगभग 12 करोड़ भेजा गया है जिसमें से जिम्मेदार अधिकारी द्वारा तत्काल ही 2.5 करोड़ की राशि आहरण कर ली गई है अब उसे चेक के माध्यम से प्रभावितों को देने की बात सामने आ रही है। हलांकि प्रकरण में कई कमियां हैं,कई लोगो के नाम बदले जाने की जानकारी प्राप्त हो रही है। नजायज पट्टा लेकर भी लोग मुआवजा राशि प्राप्त करने की जद्दोजहद में हैं।

किस अधिकारी के साथ हुई थी दलाल की बैठक ?

मुआवजा प्रकरण में अब जो दलाल किस्म का व्यक्ति सक्रिय है वह भाजपा के जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों से गहरा संबंध रखता है ऐसा सूत्रों का कहना है। विश्वस्त सूत्रों का कहना है कि जो दलाल सक्रिय है वह अधिकारी से संपर्क में है और अधिकारी को एक जनप्रतिनिधी ने ही बैठक एवं अन्य कार्यो के लिए कहा था। दलाल को शुरू से हराम की खाने की आदत है और वह दलली करके ही ऐशो आराम की जिंदगी जी रहा है। सूत्रों का कहना है इसी जून माह में दलाल और एक अधिकारी की बैठक शहर के एक होटल में हुई थी दलाल वहां पहले से मौजूद था जबकि अधिकारी कुछ देर बाद। दलाल ने स्थानीय भू माफियाओं से संपर्क कर सारे मुआवजा प्रकरण का ठेका ले रखा है। दलाल सिर्फ बिचैलिये का काम कर रहा है जो भू माफिया है वह भु स्वामियों से संपर्क कर उन्हे मुआवजा राशि दिलाने की बात कह रहा है और प्राप्त राशि में से आधी राशि देने की बात कह कर सेट कर रहा है। अब चुकि भू स्वामी पिछ्ले 30 साल से परेशान हैं उन्हे एक फूटी कौड़ी भी नही मिली है अब जो मिल जाए वही सही है। इसलिए भू स्वामी भी जल्दी से भू माफिया के झांसे में आ जा रहे हैं। क्षेत्र में बड़े बड़े जनप्रतिनिधी हैं जो कि जनता के लिए काम करने का ढोंग करते हैं इस मामले में उनकी चुप्पी है जो कि गंभीर मामला है।

क्या मुआवजा वितरण के लिए ही नही हटाई गईं एसडीएम ?

गेज बांध मुआवजा वितरण का सारा काम बैकुंठपुर एसडीएम अंकिता सोम के नेतृत्व में किया जा रहा है,उनके द्वारा ही 2.5 करोड़ आहरण कर लेने की बात सूत्रों के द्वारा की जा रही है। एसडीएम अंकिता सोम को जब बैकुंठपुर का एसडीएम बनाया गया तो उसमें कांग्रेस सरकार के नेताओं की अहम भूमिका थी उस दौरान विपक्ष में रहे भाजपाईयों की एक नही सूनी जाती थी लेकिन सत्ता बदलते ही एसडीएम के सुर भी बदल गए हैं। जो भाजपाई एसडीएम के विरूद्ध आवाज उठाते थे वहीं अब एसडीएक की तारिफ कर रहे हैं। जिले मे अनेक डिप्टी कलेक्टर हैं जिन्हे एसडीएम बनाया जा सकता है लेकिन कोरिया कलेक्टर की क्या मजबूरी है कि अंकिता सोम को बैकुंठपुर से नही हटाया जा रहा है यह समझ से परे है।

प्रमोशन के बाद एसडीएम बने रहना कितना सही ?

बतलाया जाता है कि जब अंकिता सोम को बैकुंठपुर का एसडीएम बनाया गया था तो इसमें तात्कालिक विधायक अंबिका सिंहदेव की मुख्य भुमिका थी उस दौरान तात्कालिक विधायक के चंगु मंगु के इशारे पर एसडीएम कार्यालय से सारा काम हो रहा था। चंगु मंगु भू माफियाओं के भी आका बन कर पूरा संरक्षण दे रहे थे। अब वहीं सरकार बदलते ही भू माफियाओं ने भी आंका बदल लिया है अब आंका भाजपाई हो गए हैं जिससे कि काम चलता रहे। लोकसभा चुनाव के पूर्व अंकिता सोम को संयुक्त कलेक्टर से अपर कलेक्टर के पद पर शासन ने पदोन्नत कर दिया है चुकि अचार संहिता के ठीक पहले पदोन्नति हुई थी इस वजह से अन्य जिले में पदस्थापना नही हो सकी थी लेकिन सवाल उठ रहा है कि आखिर अपर कलेक्टर बनाये जाने के बाद भी कलेक्टर द्वारा उन्हे एसडीएम बनाकर क्यों रखा गया है। कोरिया जिले में कई योग्य डिप्टी कलेक्टर हैं लेकिन वे कलेक्टोरेट में टाईम पास कर रहे हैं। वहीं लगता है अंकिता सोम ही जिले में एकमात्र होनहार अधिकारी हैं कि उन्हे मुख्यालय एसडीएम के साथ साथ जिला खनिज न्यास का भी प्रभारी अधिकारी बनाकर रखा गया है, कलेक्टर कोरिया की मजबूरी इस विषय में समझ से परे है।

1992 का प्रकरण कैसे हुआ खत्म

अविभाजित मध्यप्रदेश के सरगुजा जिले के बैकुण्ठपुर के छरछा ग्राम में किसानों की भूमि की सिंचाई के लिये गेज नदी पर गेज बांध का निर्माण करने का प्रस्ताव 1991 में तैयार हुआ, जिसके लिए किसानों की भूमि अधिग्रहण करने की प्रक्रिया शुरू हो गई, यह प्रक्रिया 1992 में पूरी कर ली गयी। उस समय इस बांध को बनाने के लिये किसानों की 95 एकड भूमि का अधिक्रहण किया गया। अधिग्रहण की भूमि में 49 हितग्राहीयों के नाम शामिल थे जिन्हें तकरीबन 10.66 लाख भुगतान होना था जो तत्कालिन समस्याओं की वजह से अधिकारीयों ने नहीं कर पाया और यह प्रकरण 26 साल ठंडे बस्ते में पड़ा रहा और जब शासन-प्रशासन जागी तो इस प्रकरण को आगे बढ़ोने की बजाये नया प्रकरण शुरू कर दिया, इस 26 सालों में क्या भाजपा क्या कांग्रेस सभी आये और गये पर किसानों के अधिग्रहण के पैसो की चिंता किसी ने नहीं की। किसान भी एक समय के लिये इस पैसों को भूल बैठे थे पर कुछ जनप्रतिनिधि अपने निजी लाभ और अधिकारीयों को प्रलोभन देकर मामले को 2018 में कुछ भू-माफिआयों के साथ मिलकर प्रकरण शुरू कराया पर सवाल यह है कि पुराने प्रकरण को दफ्न कर नये प्रकरण क्यों शुरू किया गया?

बिना भौतिक सत्यापन के 21 हितग्राहियों को मुआवजा राशि देने का मामला

21 हितग्राहियों में 4 करोड़ 75 लाख की राशि तो बंट गयी सवाल यह है कि जब यह पूरा मामले ही संदेह के घेरे में है तो इतनी हड़बड़ी क्यों प्रशासन ने दिखायी राशि के भुगतान करने में हांलाकि राषि हितग्राहियों में बंटा पर इसमें भी एक गड़बड़ी दिखी जो हल्का पटवारी बिना भौतिक सत्यापन की चेक का वितरण करते हुये राशि दे दी गयी।

गेज बांध मुआवजा वितरण राशि में करोड़ों की गड़बड़ी का आरोप

- दस्तावेज में किया गया है हेराफेरी, राजस्व विभाग पर आरोप
- 31 साल बाद बंटेगा मुआवजा, 38 हेक्टेयर जमीन बढकर हो गई साढ़े 50 हेक्टेयर, गड़बड़ी इतनी कि खसरा-रकबा भी बदला गया।
- गेज जलाशय के 59 हितग्राहियों को मिलेगी 15.75 करोड़ मुआवजा राशि। पहले 37.99 हेक्टेयर अधिग्रहित थी जमीन, 31 साल बाद 50.54 हेक्टेयर हो गई।
- कुछ किसानों ने आपत्तियां भी दर्ज कराई थीं लेकिन कर दी गई खारिज। अधिकारी का कहना शिकायत करने वाले ही बता पाएंगे कहां हुई गड़बड़ी।

ग्रामीण संबंधित अधिकारियों के चक्कर में लगाकर दौड़ते-दौड़ते परेशान हो रहे

प्रमाणित दस्तावेज में गड़बड़ी

क्या कोरिया गेज बांध मुआवजा मामले में हुआ बड़ा घोटाला ?

- गेज बांध मुआवजा घोटाला मामले में शिकायत के दो महीने बाद भी प्रशासन चुप क्यों?
- गेज बांध मुआवजा घोटाले में राजस्व या जल संसाधन विभाग इनमे से किसका हो सकता है हाथ?
- 1992 में 95 एकड़ भूमि का 49 हितग्राहियों में मिलना था 10.63 लाख मुआवजा राशी, फिर 2022 में भूमि 140 एकड़ व मुआवजा राशि 17.34 करोड़ कैसे होगी?
- शासन को 17 करोड़ 34 लाख देना पड़े तो समझिये शासन के पैसे का दुरूपयोग कितना गुना होगा।
- अधिकारियों की लापरवाही से शासन को करोड़ो का नुकसान इसकी भरपाई कौन करेगा?
- क्या जिम्मेदारों पर होगी बड़ी कार्यवाही क्योंकि शासन के पैसे को ही बंदरबांट करने के फिराक में।
- 1992 में अधिग्रहण हुये जमीन मुआवजा राशि का भुगतान 2022 में गड़बड़ी का आरोप।
- गेज बांध मुआवजे की गड़बड़ी मामले में आखिर प्रशासन कब करेगा जांच?
- अविभाजित मध्यप्रदेश का 1992 का मुआवजा सूची सही या वर्तमान 2022 का मुआवजा सूची सही?
- 1992 की मुआवजा सूची को प्रशासन क्यों नहीं दे रहा तवज्जो,नये सूची पर भरोसा क्यों?
- अनुविभागीय अधिकारी पर गड़बड़ी का लग रहा आरोप,आखिर कौन करेगा इसकी जांच।
- मुआवजा गड़बड़ी मामले में एसपी,कलेक्टर सहित कई जनप्रतिनिधियों से शिकायत क्या होगी इसकी जांच।

1992 का प्रकरण कैसे हुआ खत्म

कब्जे धारी को बिना दस्तावेज को कैसे मिल रहा मुआवजा?

अधिग्रहण के बाद कब्जा क्यों?जबकि डुबान क्षेत्र का कब्जा नहीं किया जा सकता

-रवि सिंह-
कोरिया,18 जून 2024
(घटती-घटना)।

कोरिया जिले में वर्ष 1992 में जिस बांध के लिए जमीन का अधिग्रहण किया गया था उसकी मुआवजा राशि में बड़ा खेल हो रहा है, प्रकरण 20 वर्ष पुराना होने के कारण अब इसमें अधिकारी मलाई मारने में लगे हैं दलाल मुख्य भुमिका में है। पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के समय इसमें कांग्रेस से जुड़े दलाल सक्रिय थे अब सरकार बदलने के बाद भाजपाई दलाल सक्रिय हो गए हैं। कहा जा रहा है कि दलाल किस्म के एक व्यक्ति का स्थानीय एक अधिकारी के साथ निजी होटल में मुआवजा प्रकरण को लेकर बैठक भी हो चुकी है,और उसी व्यक्ति के अनुसार अधिकारी पूरा खेल खेलने में मस्त हैं। चूँकि दलाल किस्म के व्यक्ति को शुरू से हराम का खाने की आदत है और इसी से वह मंहगी गाड़ियों का शौक रखता है,क्षेत्र के जनप्रतिनिधी भी बुरी तरह से उसके गिरफ्त में हैं। बांध के मुआवजा प्रकरण में जिस प्रकार से लीपापोती का खेल चल रहा है उससे शासन को ही नुकसान हो रहा है पर दुर्भाग्य का विषय है कि अब इसमें सत्ता पक्ष के दलाल ही सक्रिय है। बतलाया जाता है कि जब कांग्रेस की सरकार थी तो जिनके द्वारा विरोध किया जाता था आज उनके द्वारा ही समर्थन किया जा रहा है। पूरा खेल जिले के जिम्मेदार अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के एक दलाल के माध्यम से खेला जा रहा है अब विपक्ष भी शांत बैठा हुआ है।

ज्ञात हो की अविभाजित मध्यप्रदेश के सरगुजा जिले के बैकुण्ठपुर क्षेत्र के छरछा बैकुण्ठपुर में गेज बांध निर्माण जमीन अधिग्रहण 1992 का मामला जिसके मुआवजे में 30 साल के विलंब के बाद मुआवजे वितरण सूची में गड़बड़ी का आरोप लगा था। समय के साथ मुआवजा के असली हकदार भटक रहे कब्जाधारी मुआवजा राशि लेने की फेर में प्रशासन पर मिलीभगत कर मुआवजे का गलत वितरण कराने का गंभीर आरोप है और इस आरोप का जांच की मांग उठने भी लगी और वर्तमान कलेक्टर ने मौखिक रूप मुआवजा वितरण पर रोक तो लगा दी था पर आचानक सरकार बदलते एक बार फिर मुआवजा देने की काव्यात शुरू हो गई है इसमें से कुछ लोगों को मुआवजा मिल गया है और बंदरबांट हो चुका है। अब सवाल यह है कि सारे दस्तावेज सूची बनाने वाले जिम्मेदार अधिकारी की तरफ गड़बड़ी ईशारा कर रहे है आखिर गड़बड़ी मामले में जांच कब होगी? जिस पर गड़बड़ी का आरोप है उस जिम्मेदार अधिकारी को पद से पृथक कर जांच क्यों नहीं किया गया? क्या शासन के पैसो का बंदरबांट करने के लिये समय दिया गया है? मामले में साक्ष्य भी मौजुद है और शिकायत भी हुयी है इसके बाद गड़बड़ करने वालो के हौसले बुलंद है साथ ही कई गड़बड़ी होती जा रही है, मुआवजे सूची का प्रकाशन के बाद कुछ हितग्राहीयों को मुआवजा वितरण किया गया है पर गड़बड़ी की शिकायत होने पर बैंक से पैसा निकासी पर रोक नहीं लगायी गयी।

मामले से जुड़े कुछ सवाल

सवालः क्या कोरिया गेज बांध मुआवजा मामले में हुआ बड़ा घोटाला ?

सवालः गेज बांध मुआवजा घोटाला मामले में शिकायत हुई पर जाँच निष्पक्ष नहीं...प्रशासन चुप क्यों ?

सवालः गेज बांध मुआवजा घोटाले में राजस्व या जल संसाधन विभाग इनमे से किसका हो सकता है हाथ ?

सवालः 1992 में 95 एकड़ भूमि का 49 हितग्राहियों में मिलना था 10.63 लाख मुआवजा राशी, फिर 2022 में भूमि 140 एकड़ व मुआवजा राशी 17.34 करोड़ कैस होगी ?

सवालः शासन को 17 करोड़ 34 लाख देना पड़े तो समझिये शासन के पैसो का दुरूपयोग कितना गुना होगा ?

सवालः अधिकारियों की लापरवाही से शासन को करोड़ो का नुकसान इसकी भरपाई कौन करेगा ?

सवालः क्या जिम्मेदारों पर होगी बड़ी कार्यवाही क्योंकि शासन के पैसे को ही बंदरबांट करने के फिराक में ?

सवालः 1992 में अधिग्रहण हुये जमीन मुआवजा राशि का भुगतान 2022 में हुआ शुरु ?

सवालः गेज बांध मुआवजे की गडबड़ी मामले में आखिर प्रशासन कब करेगा निष्पक्ष जांच ?

सवालः अविभाजित मध्यप्रदेश का 1992 का मुआवजा सूची सही या वर्तमान 2022 का मुआवजा सूची सही ?

सवालः 1992 की मुआवजा सूची को प्रशासन क्यों नहीं दे रहा तवज्जो, नये सूची पर भरोसा क्यों ?

सवालः अनुविभागीय अधिकारी पर गड़बड़ी का लग रहा आरोप, आखिर कौन करेगा इसकी जांच ?

2018 में शुरू हुये प्रकरण में आ रही घोटाले की गंध

1992 के प्रकरण को ही आगे लेकर बढ़ना था क्योंकि यह सारे प्रकरण मौजुदा विभाग के पास दस्तावेज के तौर पर पड़े थे और सारी जानकारीयां पूर्णतः स्पष्ट थी पूर्व के अधिकारीयों ने भू-स्वामीयों को संतुष्ट करने के बाद ही अधिकग्रहण किया था, यही वजह था कि उस समय सिर्फ मौखिक आपत्ति ही आयी और उस मौखित आपत्ति को गंभीरता से लेते हुये जांच में के लिये वापस भेज दिया था, उन्हें क्या पता था कि बांध भी बन जायेगा और मुआवजे का प्रकरण अटका रह जायेगा। किसानों की सहमति व ईच्छा से कोरिया जिले को एक मध्यम परियोजना के तौर पर गेज बांध मिला जो आज कितने किसानों के लिये सिंचाई का साधन तैयार हो गया। आज उसी किसानों के धैर्य व त्याग का फायदा उठा 2018 में भू-माफिआ व जनप्रतिनिधि सक्रिय होकर नया प्रकरण शुरू करा दिया, जिस प्रकरण में सिर्फ खामिंया ही दिख रही है। खामियां भी छोटी नहीं काफी बड़ी है बांध तो कई एकड़ की भूमियों में तैयार हो गया पर उसमें से डूबान क्षेत्र के 95 एकड़ की भूमि थी वह भूमि किसानों की निजी थी जिसे बांध के लिये किसानों ने सरकार को दे दिया और इसके एवज में सरकार ने उन्हें मुआवजा का आबंटन किया पर यह राशि हितग्राहियों को समय पर नहीं मिली और जब दुबारा प्रकरण तैयार कर मौजुदा प्रशासन,शासन को ही करोड़ो का चुना लगा रहा है। पूर्व में जमीन मुआवजा के लिये 95 एकड़ भूमि का अधिग्रहण किया गया था, जिसमें 39 एकड़ में 11 हितग्राहियों को 4 लाख 36 हजार 191 का मुआवजा वितरण हो गया था। जिसमें शेष 56 एकड़ भूमि के 38 हितग्राहियों को 6 लाख 27 हजार का शेष रकम बच गया था जो वर्तमान में बढ़कर यह अधिग्रहित भूमि 140 एकड़ हो गयी और 38 हितग्राहीयों की संख्या बढ़कर 61 हो गयी। वहीं 6 लाख 27 हजार की रकम बढ़कर 17.34 करोड़ हो गयी। रकम के अंतर राशि 278 गुणा हो गया, जिस राशि में देखा जाये तो 17.27 करोड़ का ईजाफा हो गया। यह ईजाफा का वजह सिर्फ राजस्व के बड़ी लापरवाही है। इस बड़ी लापरवाही में यदि किसी को नुकसान हो रहा है तो सिर्फ शासन को, लापरवाही में जल संसाधन विभाग की भी मौन स्वीकृति से इंकार नहीं किया जा सकता।

कब्जे धारी को बिना दस्तावेज को कैसे मिल रहा मुआवजा

1992 में रकबा व खसरा नं के साथ भूमि अधिग्रहण की जानकारी स्पष्ट रूप से प्रकाशित कर दी गयी थी, जिसकी जानकारी मौजुदा विभाग के पास मौजुद है फिर भी 2018 में नया कब्जेदार का नाम कैसे और किस आदेश के तहत आ गया और मुआवजे पाने का अधिकार कैसे उसे मिल गया। बिना दस्तावेज के प्रशासन क्यों पुराने मुआवजे सूची को विलोपित कर नयी सूची में नाम शामिल कर दिया। जबकि जमीन डूबान क्षेत्र की है तो फिर डुबान क्षेत्र की जमीन पर कब्जा कैसे?

सहमति पत्र में रकबा और खसरा नंम्बर निरंक क्यों ?

सहमति पत्र में भी राजस्व विभाग का बड़ा खेल हुआ है दस्तावेजों का अवलोकन करने से हितग्राहियों व कब्जाधारीयों के सहमति पत्र में नाम व हस्ताक्षर तो मौजुद है पर रकबा व खसरा का विवरण निरंक क्यों है। जब हितग्राही सहमति पत्र में हस्ताक्षर कर रहा है तो उसे यह जानने का अधिकार नहीं कि उसे किस रकबे व खसरा नं0 भूमि के लिये सहमति दे रहा है। यह भी एक जांच का विषय है पर शायद ही विभाग इसकी जांच कर पाये।

प्रकशित ईष्तहार में नाम क्यों नहीं था ?

1992 में जब भूमि अधिग्रहण संबधित प्रकरण का प्रकाशन समाचार पत्रों में कराया था, उसमें सारे जानकारीयां हितग्राहियों के लिये स्पष्ट तौर पर मौजुद था, जबकि देखा जाये तो उस समय सूचना व सम्पर्क की इतनी व्यवस्था नहीं रही। इसके बाद भी तत्कालीन जिम्मेदारों ने बड़ी ईमानदारी से यह कार्य कराया था। पर वहीं 2018 में इसी प्रकरण को दोबारा नया प्रकरण बनाकर इसे प्रारंभ किया गया तो इस प्रकरण में कई अनिमियता देखा जा रहा है, अखबारों में इसकी सूचना प्रसारित की जाती है तो हितग्राहियों का नाम व उसके पिता का नाम या फिर कब्जेदारों का नाम निरंक करके प्रसारित करायी जाती है जो कहीं न कहीं घोटाले को व्यापक तौर पर करना दर्शाता है और जानकारी छुपाने का संदेह भी प्रकट होता है।

मुआवजे मिले हुये जमीन का दुबार मुआवजा क्यों ?

1992 में प्रश्नकिंत भूमि का मुआवाजा जिस हितग्राहियों को मिल गया, उसी जमीन का मुआवजा फिर से 2022 में किसके कहने प्रस्तावित किया गया। उदाहरण स्वरूप दस्तावेज का आंकलन करने से पता चला कि 1992 में भूस्वामी हृदयलाल पिता मनरूप खसरा नं. 570/36 का रकबा 1.214 हे0 भूमि का मुआवजा राशि 33 हजार 807 रूपये मिल गया था पर इसी भूमि में वर्तमान में हृदयलाल कब्जाधारी बन गये और भूस्वामी सगीरनिशा पिता मो0 ईषाक भू स्वामी बन गये और मुआवजा सूची में नाम आ गया और जो रकबा था वह वर्तमान में बढ़कर 2.426 हे0 हो गया जिसकी मुआवजा राशि 75 लाख 43 हजार बनायी गयी है। जबकि उक्त भूमि का 1992 में यह मुआवजा मिल गया था अब जो पैसा मिल रहा है वह हितग्राही के लिये उपहार स्वरूप है पर यह उपहार शासन क्यों दे रही है यह शासन पर बड़ा सवाल है।

अधिग्रहण के बाद कब्जा क्यों जबकि डुबान क्षेत्र का कब्जा नहीं किया जा सकता ?

जानकारों का मानना है कि एक बार यदि अधिग्रहण हो गयी और इसकी सूचना प्रसारित हो गयी तो इस भूमि बंटवारा, कब्जा यहां तक कि खरीदी-बिक्री नहीं हो सकता क्योंकि इस तहरह की भूमि पर स्थगन आदेष जारी रहता है। इसके बावजुद यदि इसमें कोई राजस्व के जिम्मेदार छेड़छाड़ करते है तो उन्हें अपराधी न मानकर पदोन्न कर दिया जाते है।

शिकायतकर्ता ने लगाया था आरोप

शिकायतकर्ता के आरोप अनुसार गेज बांध मुआवजे गड़बड़ी में पहला मामला यह है कि ग्राम छरछा व रकैया के क्षेत्र में गेज बांध का निर्माण होना था जिसके लिये 08.08.1991 में भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू हुयी उस समय अविभाजित मध्यप्रदेश तत्कालिन कलेक्टर सरगुजा के प्रभावित हितग्राहियों की अधिसूचना एवं भूमि का विवरण का व्यापक प्रचार-प्रसार करते हुये, इसकी सूचना जारी की। भू-अर्जन अधिनियम 1994 (क्रं. 01 सन् 1894) की धारा 4 की उक्त धारा 01 तथा धारा 06 के उपबंधो के अनुसार अधिसूचना तथा उद्घोषणा का प्रकाषन मध्यप्रदेश राज्यप्रत्र के भाग 01 में क्रमषः पृष्ठ संख्या 1865 दिनांक 18.101991 तथा तथा पृष्ठ संख्या 728 दिनांक 06.03.1992 को प्रकाशित कराया गया था। उपरोक्त अधिसूचना तथा उद्धघोषणा का प्रकाशन दो स्थानीय समाचार पत्रों में विस्तृत जानकारी के साथ प्रकाषन कराया सूची जारी कराया था। ईश्तहार जारी कर 15 दिवस के भीतर भूमि के संबंध में आपत्ति यदि कोई हो तो आमंत्रित किया गया इसके अलावा धारा 9 (3) के अंतर्गत स्थल पर जाकर सम्बन्धित हितग्राहियों से स्वतः अर्जित क्षेत्रफेल, किस्म,भूमि के निहित अंष अथवा क्षतिपूर्ति के सम्बन्ध में लिखित आपत्ति की मांग की गयी थी किन्तू किसी हितग्राही का कोई आपत्ति प्राप्त नहीं हुआ। किन्तू स्थल जांच के दौरान कुछ ग्रामीणों जो आदिवासी समुदाय के थे उन्होंने डूबान में आने वाली भूमि जिस पर वह मकान, बाड़ी बनाकर 20 से 25 वर्ष से काबिज थे उन व्यक्तियों ने चोरी से नजायज पट्टा हासिल कर लिया है ऐसे व्यक्तियों को मुआवजा न देकर उनकों दिये जाने का निवेदन किया गया है जिसकी षिकायत गंभीरता से लेते हुये अधिकारी द्वारा बैकुण्ठपुर तहसीलदार को जांच करने का निर्देष दिया उसके पष्चात 37.993 हे0 में से 15.663 हे0 निजी भूमि का आर्डर पारित किया गया। अविभाजित मध्यप्रदेश के तत्कालीन सरगुजा कलेक्टर द्वारा 1992 में जारी जमीन अधिग्रहण सूचना के आधार पर सूची जारी की गयी थी उस दौरान बांध निर्माण वाले क्षेत्र का कुल रकबा 37.993 हे0 था, जिसमें हितग्रहियों की संख्या 49 हितग्राहि थे जिसमें से 15.663 हे0 और 11 हितग्राहियों को मुआवजा वितरण कर दिया गया। यदि इसी सूची को आगे लेकर चला जाता तो शायद हितग्राहियों को समय पर मुआवजा भी मिलता और साथ ही किसी भी हितग्राहियों का पैसा किसी दूसरे को नहीं मिलता और शासन का पैसा भी बचता। पर इस सूची को मध्यप्रदेश विभाजन के बाद आगे लेकर नहीं चला गया, जानकारों का मानना है कि 1992 के सारे दस्तावेजों को दरकिनार कर नये सिरे से भूमि अधिग्रहण का प्रकरण शुरू किया और मुआवजे में राशी से लेकर जमीन का अधिग्रहण रकबा व मुआवजा राशि इतनी बढ़ गयी कि ऐसा लगा कि बांध बनते ही जमीन फैल गया और हितग्राही बढ़ गये। जिसकी गड़बड़ी अचानक 2022 में मुआवजा वितरण के दौरान सामने आयी जिसे लेकर शिकायत व जांच की मांग उठने लगी। जिसे 1992 में मिला मुआवजा उसी जमीन का मुआवजा अधिक रकबे व राशि के साथ कब्जे धारक को देने के लिये सूची में नाम आ गया।

खड़गवां में बूंद-बूंद पानी को तरस रहे ग्रामीण

शहर के हृदय स्थल में पानी की किल्लत, दुरदराज से आए यात्रियों को भी हो रही परेशानी

-राजेन्द्र शर्मा-
खड़गवां,18 जून 2024
(घटती-घटना)।

खड़गवां विकास खंड मुख्यालय में जनपद पंचायत तहसील कार्यालय बैंक आदि में आये ग्रामीण बूंद बूंद पीने के पानी के लिए तरस रहे हैं बस स्टैंड एवं बैंक के सामने लगे हैंडपंप पिछले महीने से ख़राब होने के कारण दूरदराज से आए यात्री एवं ग्रामीण इस भीषण गर्मी में पीने के पानी के लिए भटकते नजर आ रहे हैं। इस चिलचिलाती गर्मी में बूंद बूंद पीने के पानी के लिए लोग तरस रहे हैं।

इधर प्रदेश सरकार ने पानी की किल्लत को दूर करने के लिए सरकार की ओर से नल से जल योजना शुरू की गई है, लेकिन गर्मी का मौसम शुरू होते ही खड़गवां मुख्यालय में पीने के पानी के लिए हाहाकार मच हुआ है। इस भीषण गर्मी में खड़गवां मुख्यालय के कई मोहल्लों में पीने के पानी के लिए लोगों को भारी मुश्किलों से जूझना पड़ रहा है। खड़गवां मुख्यालय में पीने के पानी की समस्या सता पक्ष के जनप्रतिनिधियों एवं विपक्ष को दिखाई नहीं दे रहा है कि खड़गवां मुख्यालय के हृदय स्थल पर एवं कई मोहल्लों में पीने के पानी के लिए लोगो को कितनी जद्दोजहद करनी पड़ रही है किसी भी जनप्रतिनिधि को इस भीषण गर्मी में पीने का पानी ग्रामीण जनता को प्राप्त हो रहा है कि नहीं उन्हें समस्या से कोई लेना देना नहीं है।

ग्राम पंचायतों में लाक डाउन के समय खड़गवां मुख्यालय में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के द्वारा टैंकर भी प्रदाय किए गए थे उनका भी कोई पता नहीं कहां चले गए उसी से मोहल्लों में पीने का पानी वितरण किया जा सकता था मगर ग्रामीण जनता की समस्या को सुनने वाला कोई नहीं है।

क्या घंटाघर की घड़ी की तरह "I LOVE KORBA" सेल्फी प्वाइंट भी चढ़ेगा लापरवाही की भेंट ?

कोरबा घंटाघर स्थित निगम का सेल्फी प्वाइंट 'आई लव कोरबा' साल भर में ही लोहे के ढांचे में हुआ तब्दील

-राजा मुखर्जी-
कोरबा,18 जून 2024
(घटती-घटना)।

अन्य शहरों की तरह कोरबा शहर में भी शहर के हृदय स्थल कहे जाने वाले घंटाघर पर कुछ माह पूर्व नगर निगम द्वारा सौंदर्यकरण को बढ़ावा देते हुए घंटाघर में आई लव कोरबा सेल्फी प्वाइंट का निर्माण करवाया गया था, जिसका संदेश था के कोरबा शहर के नागरिक कोरबा को प्यार करते हैं पर अब इस सेल्फी प्वाइंट को देख ऐसा नहीं लग रहा के लोग अपने क्षेत्र जहां वे रहते हैं उसको प्यार करते है। सेल्फी प्वाइंट बनने के बाद यहां लोग आकर अपने परिजनों,दोस्तों के साथ सेल्फी लेने के लिए तत्पर रहते थे एवं अपने से दूर रहने वाले परिवार एवं मित्रों को इस प्वाइंट के साथ सेल्फी लेकर भेजते थे पर कुछ माह के अंतराल के पश्चात निगम के लापरवाही के कारण यह जगह सेल्फी प्वाइंट से होर्डिंग प्वाइंट में परिवर्तित हो गया । जिसके कारण महज कुछ माह के भीतर ही लाखो रुपए की लागत से बने सेल्फी प्वाइंट जो की निगम द्वारा सौंदर्य की दृष्टिकोण से घंटाघर में बनवाया गया था अब अपनी अंतिम सांस लेनें लगा है । महज एक साल से पूर्व ही यह सेल्फी प्वाइंट अपने पूर्ण अस्तित्व को खोकर लोहे के ढांचे में तब्दील हो गया है । इसमें बने फव्वारे शायद ही महीने भर चलें हो, साथ ही यदि सफाई की बात किया जाए तो शायद ही इस जगह की सफाई होती होगी । ज्ञात हो के निगमायुक्त द्वारा सभी जोन अधिकारी एवं कर्मचारियों को अवैध निर्माण एवं सफाई को लेकर सचेत रहने की बात कही गई है पर यहां की व्यवस्था देख नहीं लगता की इस विषयों पर किसी भी जिम्मेदार अधिकारी या कर्मचारी का ध्यान जाता होगा और न ही निगम आयुक्त के निर्देशों का पालन किया जा रहा है । साथ ही निगम के लापरवाही के चलते घंटाघर से लेकर निहारिका तक के आस पास के क्षेत्रों को होकारों द्वारा कब्जा भी कर लिया गया है । अब देखना होगा की क्या निगम द्वारा सौंदर्य के नाम पर लाखों रुपए के लागत से बनाए गए 'आई लव कोरबा' सेल्फी प्वाइंट एवं आस पास बने पाथवे जो को कब्जाधारियों द्वारा कब्जा कर लिया गया है को बचाया जाता है या फिर शहर के हृदय स्थल कहें जाने वाले घंटाघर में लगे घड़ी की तरह 'आई लव कोरबा' को भी लापरवाही की भेंट चढ़ा दिया जाता है ।

प्रतापपुर विकास खंड के सभी स्कूलों में चलाया गया स्वच्छता अभियान

-संवाददाता-
सूरजपुर,18 जून 2024
(घटती-घटना)।

जिला प्रशासन सूरजपुर द्वारा स्वच्छता अभियान को लेकर शुरू की गई अभिनव पहल के तहत सोमवार को प्रतापपुर विकासखंड के सभी स्कूलों में जनप्रतिनिधियों, शिक्षक व शिक्षिकाओं ने शाला स्वच्छता अभियान चलाया।

स्थानीय शासकीय अंग्रेजी माध्यम स्कूल, स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल व कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में जिला पंचायत अध्यक्ष राजकुमारी मराबी,प्रतापपुर भाजपा मंडल अध्यक्ष अक्षय तिवारी, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि शिव भजन मराबी,नगर पंचायत उपाध्यक्ष प्रतिनिधि मुकेश अग्रवाल, भाजपा नेता प्रफुल्ल गुप्ता, अंबिका जायसवाल, विक्रम प्रताप सिंह, बीईओ मुन्नू सिंह धुर्वे, नगर पंचायत सीएमओ यूफ्रिसिया एक्का, आत्मानंद स्कूल के प्राचार्य केबी यादव, कस्तूरबा विद्यालय की अधीक्षिका देवमन सिंह, नगर पंचायत के लिपिक बिहारी सिंह व स्वच्छता अभियान के तहत प्राथमिक शाला डूमर खोली प्रधान पाठक संजय कुमार चतुर्वेदी वह आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सहायिका वा अन्य कर्मचारियों ने सफाई अभियान चलाकर स्वच्छता का संदेश दिया।

इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष राजकुमारी मराबी ने कहा कि आज के समय में हमें साफ सफाई पर विशेष ध्यान देना चाहिए समय समय पर साफ सफाई करते रहने से वातावरण स्वच्छ रहता है जिससे जीवन शैली में परिवर्तन आता है। उन्होंने कहा कि प्रशासन द्वारा स्कूल जैसी जगहों पर स्वच्छता को लेकर चलाया जा रहा अभियान निश्चित तौर पर सराहनीय कार्य है। इस तरह के अभियान से छात्रों के बीच भी एक अच्छा संदेश जाएगा। वहीं भाजपा मंडल अध्यक्ष अक्षय तिवारी ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2014 में स्वच्छ भारत अभियान की शुरुआत की थी। उसी समय से भारत को एक स्वच्छ राष्ट्र में बदलने के लिए समय समय पर विभिन्न प्रकार के सफाई अभियान चलाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि स्वच्छता और स्वास्थ्य का गहरा नाता होता है। स्वच्छ वातावरण न केवल बीमारियों के प्रसार को रोकने में मदद करता है बल्कि समग्र शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को भी बढ़ावा देने का कार्य करता है।

प्रत्येक कार्य कानून के दायरे में रहकर ही किया जाता है:प्रधान जिला न्यायाधीश सत्येन्द्र कुमार साहू

-संवाददाता-
कोरबा,18 जून 2024
(घटती-घटना)।

माननीय श्री सत्येन्द्र कुमार साहू, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोरबा एवं कु. डिम्पल,सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोरबा के द्वारा बाल सम्प्रेक्षण गृह रिस्दी कोरबा का आकस्मिक निरीक्षण करते हुये बालको को विधिक जानकारी दिये जाने के प्रयोजनार्थ विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

मुख्य अतिथि जिला न्यायाधीश के द्वारा सरल शब्दों में बाल सुधार गृह के बालको को संबोधित करते हुये कहा गया कि यहॉ हमारे लिये अच्छे से टेबल लगाया गया है, टेबल के उस पार आप लोग है और इस पार हम लोग ऐसा क्यों ? ऐसा इसलिये कि हम लोगों ने अच्छे से मेहनत किया, अच्छी पढ़ाई लिखाई किये तभी हम लोग इस जगह पर है, आप लोग जाने-अनजाने में अपराध कर लिये है, जिसका यहॉ पश्चाताप करिये और यहॉ से निकलने के बाद खुब मेहनत किजिये मेहनत करके आप अच्छे से जिन्दगी जी सकते है। किसी भी व्यक्ति के बहकावें में न आये

आप लोग कानून के बारे में जानते है अपराध करेंगे तो सजा अवश्य ही मिलेगी, अगर अपराध नहीं किये है तो आप बिल्कुल बच जायेंगे। कोई भी अपराध करता है उसको न्यायाधीश गवाहों के माध्यम से उसका परीक्षण करता है, उसके आधार पर नियमानुसार सजा का प्रावधान होता है, बाल सुधार गृह में आप अपने जीवन को जानने की कोशिश करें कि किस कारण से यहॉ आये है। कानून की जानकारी रखना इसलिये आवश्यक होता है कि प्रत्येक कार्य कानून के दायरे में रहकर ही किया जाता है, कोई शादी करेगा तो वह भी विधि विधान से करेगा, पढ़ाई लिखाई कानून से होती है, हर कार्य कानून से चलता है जो कानून का उल्लघन करता है उसे सजा मिलती है। जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष के द्वारा बाल सुधार गृह में

निरूद्ध बच्चों को उनके खाने का समय, खाने में क्या-क्या मिलता है, बच्चों के पढ़ाई के लिये क्या उन्हें पुस्तक प्रदाय किया जाता है, तथा उनके आवासीय सुविधा की जानकारी लिया गया। कु. डिम्पल, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोरबा के द्वारा अपने उद्बोधन में कहा गया कि बालकों के मौलिक अधिकार के विषय में संविधान में 6 वर्ष से 14 वर्ष तक के सभी बच्चों के लिये निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा उपलब्ध कराये जाने का प्रावधान है। 14 वर्ष से कम उम्र के ज्यादातर बच्चों में सोचने समझने की क्षमता व्यस्क से कम होती है। 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चे को बीड़ी बनाना, सीमेंट कारखानों में सीमेंट बनाना, फटाखे या बारूद बनाना, एवं सिंलाई जैसे खतरनाक क्षेत्रो में बाल नहीं रख सकता है। उक्त कार्यक्रम में परियोजना अधिकारी महिला बाल विकास कोरबा पी.एल.व्ही. श्री भीमराम श्यामकुंवर, उपस्थित थे।

न्यायालय तहसीलदार
सूरजपुर जिला सूरजपुर,छ0ग0

रा.प्र.क्र. 233/ब 121, 2023 /2024/ 10.06.2024

ईश्तहार

आवेदिका का नाम सुशीला पति एस0साय जाति-गोड़ निवासी ग्राम भरतपुर प0ह0नं0 तहसील सूरजपुर जिला सूरजपुर छ0ग0 ने स्वयं सुशीला जन्म दिनांक 02/02/1977 का जन्म प्रमाण पत्र बनाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। जिस पर कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है। इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोईआपत्ति हो तो दिनांक 24/06/2024 को समय 11:00 बजे इस न्यायालय में अपना स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति दावा प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। तदनुसार कार्यवाही कर दी जावेगी।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 10/06/2024 को जारी किया जाता है

सील
तहसीलदार
सूरजपुर

खनिज विभाग द्वारा 10 जून से जिले के रेत घाटों को बंद करने के जारी आदेश के बाद भी खुले आम हो रही रेत की चोरी

-राजा मुखर्जी-
कोरबा,18 जून 2024
(घटती-घटना)।

जिले में मानसून आगमन को देखते हुए नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) के आदेश के बाद विभाग द्वारा रेत घाटों को बंद कर दिया गया हैं जो अब सीधे अक्टूबर में ही खुलेंगे। जिसका लाभ उठाते हुए रेत माफियाओं द्वारा अवैध तरीके से रेत का संग्रहण किया जा रहा है। वर्तमान में प्रधानमंत्री आवास सहित अन्य निर्माण कार्य लंबित हैं, ऐसे में सर्वाधिक जरूरत और मांग के बीच रेत की किल्लत में अवैध कारोबारी लाभ कमाने में जुट गए हैं। रात के अंधेरे में हो या सरकारी छुट्टी के दिन उजाले में खुले आम छोटी छोटी ट्रकों में रेत की तस्करी किया जा रहा है । बता दें के जिले में अधिकृत रूप से 12 लोगों को ही खनिज विभाग ने भंडारण का लाइसेंस जारी किया है। इनमें से आधे के पास रेत का स्टाक ही नहीं है, जिसका फायदा उठाते हुए रेत तस्करों ने रेत का रेट बढ़ा दिया है। वहीं विभाग के आदेशों को ताक में रखकर नदी-नालों से

रात के अंधेरों में रेत की चोरी को अंजाम देते हुए अवैध भंडारण किया जा रहा है, साथ ही पिछले सात दिनों में ही रेत के दाम भी प्रति ट्रैक्टर 1500 रुपये तक बढ़ा दिया है । क्योंकि एनजीटी के आदेश के साथ जिले में रेत घाटों को बंद बंद कर दिया गया है,जिस वजह से रेत का अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण एक बार फिर से जोर पकड़ने लगा है। 10 जून से एनजीटी के आदेश के बाद रेत घाट बंद हो गए हैं,जबकि जिले में 24 में से 16 घाट ही चल रहे थे। राज्य शासन ने अब रेत घाटों को ग्राम पंचायतों और निकायों को दे दिया है,पर कई घाट अब भी आपसी सहमति से ठेकेदार ही चला रहे हैं। दूसरी ओर रेत ठेकेदारों ने पहले से ही भंडारण करने लाइसेंस लिया हुआ है। इनमें से छह के पास लाइसेंस भी नहीं है,वहीं भंडारण की आड़ में रेत चोरी हो रही है साथ ही मांग को देखते हुए अब रेत के दाम भी 1500 से 3000 प्रति ट्रैक्टर कर दिया गया है । जिला खनिज अधिकारी प्रमोद कुमार नायक का कहना है कि एनजीटी के आदेश के अनुसार रेत घाट बंद है अब अक्टूबर में ही खुलेंगे। जहां तक रेत भंडारण का सवाल है उसका सत्यापन कराया जा रहा है। अधिक मात्रा पाए जाने पर कार्रवाई की जाएगी । साथ ही अवैध भंडारण के खिलाफ भी कार्रवाई करने की बात कही है ।

न्यायालय तहसीलदार अंबिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांक:, 202405020700269

विषयः-अ-27 मामले की श्रेणीः-राजस्व सन्ः-2023-24

लक्ष्मीपुर प.ह.नं.00023(हे.)
पक्षकारों का विवरणः-
आवेदक पक्षकार-करमातो पुत्री बिरबल,
अनावेदक पक्षकार-करमातो पुत्री बिरबल

ईश्तहार

आवेदक करमातो बाई बिरबल पति दसई, निवासी मणीपुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम लक्ष्मीपुर स्थित खसरा नंबर 22/1,26/1 रकबा क्रमशः 0.356, 0.290 हे0 भूमि को अपने जीवनकाल में अपने वैध वारिसानों के मध्य में बटवारा किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है, जिसका निराकरण न्यायालय में साक्ष्य लिया जाकर गुण दोष के आधार पर करने हेतु ऑनलाईन ई नामांतरण पंजी से प्रकरण ई कोर्ट में स्थानांतरित किया जाता है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 28/06/2024 के पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावाआपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 30/05/2024 को जारी किया जाता हैं।

सील
तहसीलदार
अंबिकापुर

न्यायालय नायब तहसीलदार -2 अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा,(छ0ग0)

रा.प्र.क्र.202405021700239 /ब 121 /2023-24

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका सविता विश्वास उर्फ सविता मण्डल पति सुधीर विश्वास, निवासी ग्राम करंजी तहसील सूरजपुर, जिला-सूरजपुर (छ0ग0) द्वारा अपने स्वामित्व की ग्राम नेहरूनगर स्थित भूमि खसरा नंबर 37/7, 37/8, 37/9 रकबा क्रमशः 0.054, 0.054, 0.054 हे0 कुल रकबा 0.162 हे0 भूमि अपने बच्चों के उच्च शिक्षा हेतु रूपयों की आवश्यकता होने के कारण अनावेदक राजेन्द्र सिंह आ0 स्व0 भीकम सिंह, व अन्य 02, निवासी गोधनपुर अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा,छ0ग0 को रू0 1200,000/- (बारह लाख रूपये) में विक्रय करने की अनुमति हेतु आवेदन पत्र कलेक्टर महोदय के समक्ष प्रस्तुत किया गया है, जो जांच प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 24/06/2024 से पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 31/05/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

सील
नायब तहसीलदार
,अंबिकापुर-02

न्यायालय तहसीलदार अंबिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांक:, 202406020700078

विषयः-अ-6 मामले की श्रेणीः-राजस्व सन्ः-2023-24

अम्बिकापुर प.ह.नं.00015 (हे.)
पक्षकारों का विवरणः-
आवेदक पक्षकार-उषा सिंह,
अनावेदक पक्षकार-गुलाब सिंह,

ईश्तहार

आवेदक उषा सिंह पिता स्व0 गुलाब सिंह, निवासी खरसिया नाका, अम्बिकापुर,जिला सरगुजा,छ0ग0 के द्वारा ग्राम अम्बिकापुर स्थित खसरा नंबर 3680/2, 3683/3 रकबा क्रमशः 0.018,0.036, हे0 भूमि के राजस्व अभिलेखों से मृत भूमि स्वामी स्व0 गुलाब सिंह का नाम विलोपित कर फौती नामांतरण दर्ज किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 12/07/2024 के पुर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावाआपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 11/06/2024 को जारी किया जाता हैं।

सील
तहसीलदार
अंबिकापुर

वेस्टइंडीज ने अफगानिस्तान को 104 रनों से हराया

» हासिल की टी20 की अपनी दूसरी सबसे बड़ी जीत

न्यूयार्क, 18 जून 2024। निकोलस पूरन ने छक्के जड़ने के अपने कौशल का शानदार नमूना पेश किया जिससे वेस्टइंडीज ने टी 20 विश्व कप के ग्रूप सी के अपने अंतिम मैच में अफगानिस्तान को 104 रन से करारी शिकस्त दी। दोनों टीम पहले ही सुपर 8 में अपनी जगह पक्की कर चुकी थी और इस मैच से ग्रूप से शीर्ष पर रहने वाली टीम का निर्धारण होना था। दो बार के चैंपियन वेस्टइंडीज ने पांच विकेट पर 218 रन बनाए जिसमें पूरन ने 53 गेंद पर 98 रन का योगदान दिया। उन्होंने अपनी पारी में छह चौके और आठ छक्के लगाए। अफगानिस्तान की टीम इसके जवाब में 16.2 ओवर में 114 रन पर आउट हो गई। उसकी तरफ से इब्राहिम जादरान ने सर्वाधिक 38 रन बनाए. वेस्टइंडीज के लिए।ओबेद मैकॉय ने 14 रन देकर तीन ,अकील हुसैन ने 21 रन देकर दो और गुडाकेश मोती ने 28 रन देकर दो विकेट लिए।

वेस्टइंडीज के कप्तान रोवमैन पॉवेल ने मैच के बाद कहा,हम जानते थे कि यहां का विकेट अच्छा है। गयाना और त्रिनिदाद के बाद बल्लेबाज यहां आकर रन बनाना चाहते थे। पूरन में कड़ी मेहनत की है और पिछले 12 महीने में अच्छा प्रदर्शन किया है। यह देखकर अच्छा लगा कि वह फ्रेंचाइजी क्रिकेट ही नहीं वेस्टइंडीज की तरफ से भी अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। अफगानिस्तान ने पिछले तीन मैच में विरोधी टीमों को 100 रन तक नहीं पहुंचने दिया था लेकिन इस मैच में कप्तान राशिद खान का पहले गेंदबाजी करने का फैसला पूरन ने गलत साबित कर दिया। वेस्टइंडीज की तरफ से पूरन के अलावा सलामी बल्लेबाज जॉनसन चार्ल्स (43), शाई होप (25) और पॉवेल (26) ने भी उपयोगी योगदान दिया। अफगानिस्तान की तरफ से गुलबदीन नैब सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने अपने दो ओवर में 14 रन देकर दो विकेट लिए। बड़े लक्ष्य के सामने अफगानिस्तान के बल्लेबाज दबाव में आ गए। उसकी तरफ से सलामी बल्लेबाज इब्राहिम जादरान (38,अजमतुल्लाह उमरजई(23) और करीम जनत (14) ने अपनी भूमिका निभाने की कोशिश की लेकिन लक्ष्य काफी बड़ा था और उनके प्रयास से हार का अंतर ही कम हुआ।अफगानिस्तान के कप्तान राशिद ने कहा,मुझे नहीं लगता कि इस बड़ी हार का हम पर प्रभाव पड़ेगा। हम जो चाहते थे हमने उसे हासिल किया। हम सुपर आठ में जगह बनाने में सफल रहे. मैच अलग-अलग तरह की पिचों पर हो रहे हैं और हमें उनसे सामंजस्य बिठाना होगा। इस स्तर पर पराजय एक अच्छा सबक है. यह हमारे लिए करो या मरो वाला मैच नहीं था। हम इसके सकारात्मक पहलुओं पर गौर करेंगे जैसे की फील्डिंग और बीच के ओवरों की गेंदबाजी.पूरन ने अपनी पारी के दौरान अजमतुल्लाह उमरजई के एक ओवर में तीन छक्के और एक चौका लगाया। इस ओवर में कुल 36 रन बने, जिसमें 5 नोबॉल, 5 वाइड और चार लेगबाई भी शामिल हैं। इस तरह से यह टी 20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सबसे महंगे ओवरों में शामिल हो गया। वेस्टइंडीज ने पावर प्ले में एक विकेट पर 92 रन बनाए जो पुरुष टी 20 विश्व कप में नया रिकॉर्ड है। पूरन रन आउट होने के कारण अपना शतक पूरा नहीं कर पाए। उन्हें मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया ।

केन विलियमसन टी 20 अंतरराष्ट्रीय में अपने भविष्य को लेकर अनिश्चित

न्यूजीलैंड ,18 जून 2024। न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन ने कहा कि टी20 विश्व कप से जल्द बाहर होने के बाद टीम को फिर से एकजुट होने के लिए कुछ समय की जरूरत है। उन्होंने साथ ही 2026 में इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में अपनी वापसी को लेकर कोई प्रतिबद्धता नहीं जताई। आधुनिक क्रिकेट के महान खिलाड़ियों में से एक माने जाने वाले सभी प्रारूपों के खिलाड़ी विलियमसन एक दशक से अधिक समय से न्यूजीलैंड के बल्लेबाजी क्रम की रीढ़ रहे हैं।

विलियमसन की मौजूदगी में न्यूजीलैंड तीन बार विश्व कप फाइनल में पहुंचा जिसमें 2015 और 2019 में एकदिवसीय विश्व कप और 2021 में टी20 विश्व कप शामिल हैं। इसके अलावा पहला विश्व टेस्ट चैंपियनशिप खिताब भी जीता। इन चार टूर्नामेंट में से तीन में विलियमसन ने टीम की कप्तानी की। जब विलियमसन से पूछा गया कि क्या वे 2026 के टूर्नामेंट में वापसी करेंगे तो उन्होंने कहा, ''ओह, मुझे नहीं पता।'' न्यूजीलैंड का अभियान पापुआ न्यू गिनी पर सात विकेट की आसान जीत के साथ समाप्त हुआ। वे 10 वर्षों में पहली बार सेमीफाइनल में जगह नहीं बना पाए। तेज गेंदबाजी आक्रमण के अगुआ ट्रेंट बोल्ट ने पहले ही पुष्टि कर दी थी कि मौजूदा टी20 विश्व कप उनका आखिरी होगा। विलियमसन ने कहा, ''अभी और तब के बीच थोड़ा समय है इसलिए यह एक टीम के रूप में फिर से एकजुट होना है। और हां, हमें अगले साल मुख्य रूप से लाल गेंद का क्रिकेट खेलना है।''

स्मृति मंधाना ने महिला रैंकिंग में लगाई छलांग

» नेट सीवर ब्रंट टॉप पर काबिज

नई दिल्ली, 18 जून 2024। साउथ अफ्रीका के खिलाफ 3 वनडे मैचों की सीरीज के पहले मैच में भारतीय ओपनर स्मृति मंधाना ने शानदार शतक बनाया। स्मृति मंधाना ने 127 गेंदों पर 117 रनों की पारी खेली। बहरहाल, स्मृति मंधाना को शानदार शतकीय पारी का फायदा मिला है, अब आईसीसी बैटिंग रैंकिंग्स में स्मृति मंधाना दूसरे नंबर पर पहुंच गआ हैं। हालांकि, इंग्लैंड की ऑलराउंडर नेट सीवर ब्रंट टॉप पर बनी हुई है, लेकिन स्मृति मंधाना टॉप पर काबिज होने के काफी करीब पहुंच गई है।

भारतीय ओपनर स्मृति मंधाना ने श्रीलंका की चमारी अट्टापट्टू को पीछे छोड़ दिया है। इससे पहले चमारी अट्टापट्टू बल्लेबाजों की रैंकिंग्स में नंबर-2 पर काबिज थी, लेकिन अब स्मृति मंधाना ने श्रीलंकाई दिग्गज को पछाड़ दिया है। भारत के बाकी बल्लेबाजों की बात करें तो दीप्ति शर्मा को 3 स्थान का फायदा हुआ है, अब ये ऑलराउंडर 20वें नंबर पर पहुंच गई है। साथ ही पूजा वस्त्राकर ने 3 पायदान की छलांग लगाई है। अब पूजा वस्त्राकर 38वें नंबर पर पहुंच गई है। दरअसल, ऐसा माना जा रहा है कि भारत और साउत अफ्रीका सीरीज के बाद आईसीसी रैंकिंग में बड़ा बदलाव संभव है। चेपॉक में भारत ने साउथ अफ्रीका को हरायाबताते चलें कि भारतीय वीमेंस टीम ने पहले वनडे में साउथ अफ्रीका को 143 रनों के बड़े अंतर से हराया। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी टीम इंडिया ने 50 ओवर में 8 विकेट पर 265 रनों का स्कोर बनाया। भारत के लिए ओपनर स्मृति मंधाना ने 127 गेंदों पर 117 रनों का पारी खेली। भारत के 265 रनों के जवाब में साउथ अफ्रीकी टीम 37.4 ओवर में महज 122 रनों पर सिमट गई, इस तरह भारतीय टीम ने 143 रनों से बड़ी जीत दर्ज की।

फ्रांस ने ऑस्ट्रिया को 1-0 से हराया

» किलियन एमबापे की नाक में लगी चोट

मैक्सिको, 18 जून 2024। मैक्सिमिलियन वोबर के आत्मघाती गोल की मदद से फ्रांस ने यूरोपीय फुटबाल चैंपियनशिप में ऑस्ट्रिया को 1-0 से पराजित किया लेकिन इस मैच में उसके स्टार स्ट्राइकर काइलिन एमबापे की नाक में चोट लग गई और उनका टूर्नामेंट में आगे खेलना संदिग्ध है।

एमबापे ग्रुप डी के इस मैच के अंतिम क्षणों में गेंद पर नियंत्रण बनाने के प्रयास में ऑस्ट्रिया के केविन डांसोसे टकरा गए। इससे उनकी नाक से खून बहने लगा और वह सूज गई। एमबापे को इस कारण मैदान छोड़ना पड़ा। फ्रांस के कोच डिडिएर डेसचैम्प्स ने एमबापे के आगे के मैचों में खेलने के संबंध में कहा,''अभी हमारे हाथ में कुछ नहीं है। अभी हमें यह पता नहीं है कि उनकी चोट कितनी गंभीर है। वह टूर्नामेंट में आगे खेल पाएंगे या नहीं अभी इसका जवाब मेरे पास नहीं है।'' फ्रांस के मिडफील्डर एनगोलो कांटे ने कहा,''एमबापे के चोटिल हो जाने से हम सभी चिंतित हैं। हमें पता नहीं है कि स्थिति अभी कैसी है। हम यही उम्मीद कर रहे हैं कि चोट गंभीर न हो और वह बाकी टूर्नामेंट के लिए टीम में बने रहें। ''चोटिल होने से पहले एमबापे पर सभी की निगाह टिकी थी। ऑस्ट्रिया ने उन्हें खुलकर नहीं खेलने दिया, लेकिन टीम को जीत दिलाने में उन्होंने अपनी भूमिका निभाई।। वोबर ने 38वें मिनट में एमबापे का शॉट रोकने के प्रयास में ही आत्मघाती गोल किया जो आखिर में निर्णायक साबित हुआ। इससे डेसचैम्प्स ने फ्रांस का कोच रहते हुए जीत का शतक भी पूरा किया। फ्रांस ने अभी तक दो बार यूरोपीय चैंपियनशिप जीती है लेकिन उसे 2000 के बादअपने पहले खिताब का इंतजार है। रोमानिया इस ग्रुप में शीर्ष पर है। उसने एक अन्य मैच में यूक्रेन को 3-0 से हराया जो उसकी यूरोपीय चैंपियनशिप में पिछले 24 वर्षों में पहली जीत है।

टी 20 में 4 मेडन ओवर फेंकने वाले दूसरे गेंदबाज बने लॉकी फर्ग्यूसन

ब्राजील, 18 जून 2024। टी 20 वर्ल्ड कप 2024 का 39वां मुकाबला न्यूजीलैंड और पापुआ न्यू गिनी के बीच खेला गया। हालांकि, दोनों ही टीमें सुपर-8 में जगह बनाने में कामयाब नहीं पाई हैं। न्यूजीलैंड ने ये मैच 7 विकेट से जीत लिया, लेकिन इससे भी ज्यादा चर्चा लॉकी फर्ग्यूसन की शानदार गेदंबाज की हो रही हैं, जिन्होंने टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में कमाल कर दिया, इस मैच में लॉकी फर्ग्यूसन ने अपने स्पेल में तीन विकेट चटकाए। लॉकी फर्ग्यूसन टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास में अपने चार ओवर के स्पेल में सभी मेडन ओवर फेंकने वाले पहले गेंदबाज बन गए हैं, इसके अलावा लॉकी फर्ग्यूसन टी 20 इंटरनेशनल क्रिकेट में एक ही मैच में चार मेडन ओवर फेंकने वाले दूसरे गेंदबाज बन गए हैं, इससे पहले पुरुष टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में ऐसा सिर्फ एक बार हुआ था, जब कनाडा के साद बिन जफर ने 2021 में पनामा के खिलाफ इक इंटनेशनल मैच में अपने पूरे चार ओवर में एक भी रन नहीं दिया था।

33 साल के इस तेज गेंदबाज ने अपनी पहली ही गेंद पर पापुआ न्यू गिनी के कप्तान असद वाला को 6 रन पर आउट कर धमाकेदार शुरुआत की। इसके बाद उन्होंने अगले बल्लेबाज को भी रन नहीं बनाने दिया और पावरप्ले में ही पहला मेडन ओवर फेंक डाला। फिर उन्हें पावरप्ले के बाद ओवर फेंकने का मौका मिला, फर्ग्यूसन ने फिर से किफायती गेंदबाजी करते हुए एक और मेडन ओवर फेंका। 12 वें ओवर में फर्ग्यूसन ने वापसी की और वह 17 रन बनाने वाले चार्ल्स अमिनी का विकेट लेने में सफल रहे। इसके बाद उन्होंने 14 वें ओवर में चैड सोपर को आउट कर अपना तीसरा विकेट मेडन पूरा किया।

सोनाक्षी सिन्हा की शादी में शामिल नहीं होंगे शत्रुघ्न सिन्हा ?

शत्रुघ्न सिन्हा सोनाक्षी सिन्हा से नाराज़ हैं, क्योंकि उन्होंने उन्हें अपनी शादी की योजना के बारे में नहीं बताया, उनके माँ पहलाज निहलानी ने पुष्टि की है। पिछले हफ़्ते, खबर आई थी कि सोनाक्षी अपने लंबे समय के बॉयफ्रेंड ज़हीर इकबाल से शादी कर रही हैं। लीक हुए शादी के निमंत्रण ने इस खबर की पुष्टि की और यह भी खुलासा किया कि सोनाक्षी सात साल से ज़हीर को डेट कर रही हैं। शादी की अफवाहों पर अपनी पहली प्रतिक्रिया में, शत्रुघ्न ने स्वीकार किया कि उन्हें शादी के बारे में पता नहीं था, लेकिन वे नाराज़ लग रहे थे। जब पहलाज निहलानी से उनकी प्रतिक्रिया के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने पुष्टि की कि शत्रुघ्न उनसे नाराज़ हैं, लेकिन यह ज़्यादा समय तक नहीं रहेगा। उन्होंने कहा कि शत्रुघ्न भी समारोह में शामिल होंगे। सोनाक्षी और ज़हीर 23 जून को शादी करेंगे। अंतरंग विवाह समारोह मुंबई में होगा। पहलाज ने कहा, हाँ, लेकिन वे लंबे समय तक नाराज़ नहीं रह सकते, सोनाक्षी से तो बिल्कुल नहीं। वह उनकी लाडली है। शादी में शामिल होने का कोई सवाल ही नहीं होता। जैसा कि शत्रुजी ने आपसे कहा, आज कल वह बच्चे को सूचित करते हैं, अनुमति नहीं लेते। अगर सोनाक्षी अपनी पसंद के लड़के से शादी कर रही है तो उन्हें परेशान क्यों होना चाहिए? शत्रुजी ने खुद चालीस साल पहले अपनी पसंद की लड़की से शादी की थी। मैंने भी अपनी पत्नी से शादी करते समय अपना जीवनसाथी खुद चुना। किसी को अपने बच्चों से अवास्तविक उम्मीदें नहीं रखनी चाहिए।÷ खबरों पर शत्रुघ्न की शुरुआती प्रतिक्रिया का बचाव करते हुए पहलाज ने कहा,आपने उनसे तब बात की होगी जब वह चुनावों के कारण लगभग तीन महीने के लिए मुंबई से बाहर थे। भाभीजी को पता होगा। उन्होंने उनके लौटने के बाद उन्हें इस (शादी) के बारे में बताने का फैसला किया होगा। अब वह मुंबई वापस आ गए हैं और सोनाक्षी और उनके परिवार के बीच सब ठीक है। शत्रुघ्न ने कहा कि उन्हें सोनाक्षी की शादी के बारे में पता नहीं था और उन्होंने कहा, ÷मेरे करीबी लोग मुझसे पूछ रहे हैं कि मुझे इस (कथित शादी) के बारे में क्यों नहीं पता है, और मीडिया को इसके बारे में पता है। मैं बस इतना कह सकता हूं कि आज कल के बच्चे मां-बाप की सहमति नहीं लेते, सिर्फ सूचित करते हैं। हमें सूचित किए जाने का इंतजार है। बाद में उन्होंने कहा कि हालांकि वह शादी की अफवाहों की पुष्टि या खंडन नहीं कर रहे हैं, लेकिन वह सोनाक्षी को उनके बड़े दिन के लिए अपना आशीर्वाद दे रहे हैं - जब भी वह आएगा। शत्रुघ्न ने कहा, अगर मेरी बेटी शादी कर रही है, तो मैं उसे अपना आशीर्वाद दूंगा और उसके फैसले और पसंद का समर्थन करूंगा। सोनाक्षी को अपना साथी चुनने का अधिकार है, और मैं उसकी शादी के दिन सबसे खुश पिता रहूंगा। मैं हमेशा उसे शुभकामनाएं दूंगा... एक ही तो बेटी है मेरी।÷

पुष्पा 2: द रूल की रिलीज की तारीख से उठा पर्दा

अल्लू अर्जुन का नया पोस्टर भी जारी

साल की मच अवेटेड फिल्म पुष्पा 2: द रूल की अब नई रिलीज डेट आ गई है। ऐसे में अब दुनिया भर में फिल्म की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे फैंस अब अपने कैलेंडर में 6 दिसंबर,2024 को नई प्रीमियर डेट के रूप में मार्क कर सकते हैं। फिल्म के मेकर्स ने अपने ऑफिशियल सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर नई रिलीज डेट की अनाउंसमेंट कर दी है इसके साथ ही उन्होंने फिल्म के पोस्टपोन होने की वजह भी साझा की है। उन्होंने यह बताया है कि वह चाहते हैं की फिल्म बिना किसी क्वालिटी कंप्रोमाइज के एक बेहतरीन सिनेमैटिक एक्सपीरियंस दें। इस चीज को सुनिश्चित करने के लिए उन्हें फिल्म को पूरा करने के लिए और ज्यादा वक्त चाहिए। पुष्पा 2 पिछले दो सालों से मच अवेटेड फिल्मों में से एक रही है, जिसे लगातार चार्ट में टॉप पर देखा गया है। फ़िल्म की पॉपुलैरिटी ऊंचाई को छू रही है, इसके गाने और टीज़र ने नेचुरल तरीके से 100 मिलियन व्यूज़ को पार किया है। हाल ही में, मास जथरा टीज़र, एनर्जेटिक पुष्पा पुष्पा टाइटल सॉन्ग, और रोमांटिक ट्रैक अंगारों यूट्यूब पर बड़े हिट रहे हैं। साथ ही यह सभी सबसे लंबे समय तक टॉप 10 में ट्रेंड करते नजर आए हैं। इतना ही नहीं इन एसेट्स ने रियल यूनिवर्स में भी जबरदस्त सक्सेस हासिल की है, इनपर सबसे ज्यादा यूजर जेनरेटेड कंटेंट बनाए गए हैं. फिल्म पहले 15 अगस्त 2024 को रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब सोच विचार के बाद फिल्म को 6 दिसंबर 2024 के रूप में नई रिलीज डेट दी गई है। मैथ्री मूवी मेकर्स और सुकुमार राइटिंग्स के साथ मिलकर पुष्पा 2: द रूल को प्रोड्यूस किया है, जबकि मेस्ट्रो सुकुमार ने इसे डायरेक्ट किया है। इस फिल्म में आइकॉन स्टार अल्लू अर्जुन, रश्मिका मंदाना और वर्सेटाइल एक्टर फहद फासिल लीड रोल्स में हैं।

राम पोथिनेनी और संजय दत्त की फिल्म डबल इस्मार्ट की रिलीज डेट आई सामने

15 अगस्त को सिनेमाघरों में देगी दस्तक

साउथ अभिनेता राम पोथिनेनी और संजय दत्त की बहुप्रतीक्षित फिल्म डबल इस्मार्ट इस साल सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। दर्शकों को इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार है। ऐसे में मेकर्स ने दर्शकों का उत्साह बढ़ाते हुए फिल्म की रिलीज डेट की घोषणा कर दी है। पुरी जगन्नाध की डबल आईस्मार्ट स्वतंत्रता दिवस पर रिलीज के लिए तैयार है। फिल्म निर्माता और चार्ममे कौर के बैनर पुरी कनेक्ट्स द्वारा समर्थित इस फिल्म में राम पोथिनेनी मुख्य भूमिका में हैं।फिल्म निर्माता पुरी जगन्नाध की आगामी फिल्म डबल इस्मार्ट 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी। मेकर्स ने आज शनिवार को इसकी घोषणा की है। इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा करते हुए राम पोथिनेनी ने फिल्म की रिलीज का जानकारी दी है। डबल इस्मार्ट पांच भाषाओं- तेलुगु, हिंदी, तमिल, कन्नड़ और मलयालम में रिलीज की जाएगी।निर्माताओं ने फिल्म का नया पोस्टर जारी करते हुए रिलीज डेट की जानकारी दी है। फिल्म का टीजर पहले ही रिलीज हो चुका है, जो दर्शकों को काफी पसंद आया था। अब लोगों को फिल्म के ट्रेलर का बेसब्री से इंतजार है। टीजर की बात करें तो एक मिनट 26 सेकंड के वीडियो में राम पोथिनेनी और संजय दत्त की दमदार झलक देखने को मिली। शंकर के अवतार में दिखे राम पोथिनेनी के कुछ फाइट सीक्वेंस भी हैं। टीजर में बिग बुल बने संजय दत्त नए अवतार में नजर आए थे।ये फिल्म पोथिनेनी और जगन्नाध की 2019 की साइंस-फाई एक्शन फिल्म आईस्मार्ट शंकर का सीक्वल है। ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर हिट साबित हुई थी। डबल इस्मार्ट के जरिए निर्देशक पुरी जगन्नाध और अभिनेता राम पोथिनेनी दूसरी बार साथ काम कर रहे हैं। फिल्म में संजय दत्त महत्वपूर्ण भूमिका में हैं।

कृति खरबंदा ने भारतीय सिनेमा में पूरे किए 15 साल

शादी में जरूर आना,कारवां, हाउसफुल 4 और अन्य फिल्मों के लिए मशहूर अभिनेत्री कृति खरबंदा ने सिनेमा में 15 साल पूरे कर लिए हैं। अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम पर अपने सफर को याद करते हुए एक लंबा नोट लिखा।उन्होंने अपनी कन्नड़ फिल्म गुगली के रिलीज होने के समय की एक दिलचस्प कहानी भी शेयर की।2009 में तेलुगू फिल्म बोनी से अपने करियर की शुरुआत करने वाली अभिनेत्री ने अपने नोट की शुरुआत में लिखा, मैंने पिछले 15 साल, यानी अपने जीवन का अधिकांश हिस्सा एक अभिनेत्री के रूप में बिताया है। जो एक शौक के रूप में शुरू हुआ, बिलों का भुगतान करने और पहचान पाने का एक तरीका था, वह धीरे-धीरे एक जुनून में बदल गया!

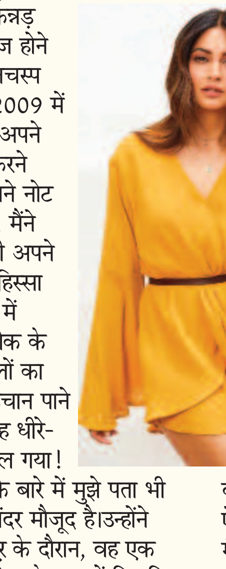

एक ऐसा जुनून जिसके बारे में मुझे पता भी नहीं था कि वह मेरे अंदर मौजूद है।उन्होंने बताया कि अपने सफ़र के दौरान, वह एक इंसान और एक अभिनेता के रूप में विकसित हुईं। इस दौरान व्यवसाय के बारे में उनकी गहरी समझ ने उन्हें फ़िल्म उद्योग के प्रति और अधिक आकर्षित किया।उन्होंने आगे बताया कि आज जब मैं एक अभिनेता के रूप में 15 साल पूरे कर रहा हूँ, तो मैं आपके साथ एक कहानी साझा करना चाहता हूँ। मैं अपनी किशोरावस्था से ही अपनी माँ के साथ एक बुटीक चलाता था। हम खरीदारी करते थे, डिज़ाइन करते थे और कपड़े और अन्य चीज़ें खरीदने में बहुत समय बिताते थे। इसलिए मेरी कन्नड़ फ़िल्म गुगली की रिलीज़ के कुछ दिनों बाद हम एक मॉल में गए।जब अभिनेत्री स्टोर में दाखिल हुई तो सब कुछ ठीक था। जब वह बाहर निकली तो उसने पाया कि स्टोर के बाहर सैकड़ों लोग खड़े थे।इन 15 सालों में, अभिनेत्री ने भारतीय सिनेमा के कुछ सबसे बड़े सितारों जैसे पवन कल्याण, यश और अन्य के साथ काम किया है। उन्होंने राज: द रीबूट से बॉलीवुड में कदम रखा।अभिनेत्री ने साझा किया: आज मैं इस अवसर पर खुद को धन्यवाद देना चाहती हूँ। छोटी, भोली, भरोसेमंद, भावुक, साहसी मैं। मैं आज यहाँ उसकी वजह से हूँ, क्योंकि वह हार मान सकती थी। मुझे पता है कि जब चीजें मुश्किल हो गईं तो वह हार मानना चाहती थी,लेकिन उसने ऐसा नहीं किया। वह आगे बढ़ती रही। और मैं आज के लिए खुद को धन्यवाद देना चाहती हूँ। मैं उस व्यक्ति पर बहुत गर्व करती हूँ जो मैं बन गई हूँ और मैं अपने बारे में कुछ भी नहीं बदलना चाहती। इस अविश्वसनीय यात्रा का हिस्सा बनने वाले सभी लोगों को बहुत-बहुत धन्यवाद।

उर्वशी रौतेला और रवि किशन की जेएनयू का ट्रेलर जारी

21 जून को सिनेमाघरों में देगी दस्तक

बॉलीवुड में अक्सर गंभीर मुद्दों को दिखाती कई फिल्में बन चुकी हैं। इसी कड़ी में निर्देशक विनय शर्मा जहांगीर नेशनल यूनिवर्सिटी फिल्म लेकर आ रहे हैं, जिसमें कॉलेज स्टूडेंट्स का वो चेहरा दिखाया जाएगा, जो रोमांस से दूर राजनीति के बारे में क्या सोचता है और क्या करना चाहता है, इस पर फिल्म होगी। फिल्म का नाम जेएनयू-जहांगीर नेशनल यूनिवर्सिटी है। फिल्म का ट्रेलर जारी हो गया,जिसे सोशल मीडिया पर खूब तारीफें मिल रही है।उर्वशी रौतेला, पीयूष मिश्रा, रवि किशन, सिद्धार्थ बोडके, विजय राज, रश्मि देसाई, अतुल पांडे और शिवज्योति राजपूत जैसे प्रतिभाशाली कलाकारों से सजी जहांगीर नेशनल यूनिवर्सिटी सेंसर बोर्ड से मंजूरी मिलने के बाद 21 जून, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। टीजर के बाद आखिरकार जहांगीर नेशनल यूनिवर्सिटी का ट्रेलर भी रिलीज हो गया है। विवादित कहानी वाली इस फिल्म ने अपने ट्रेलर की वजह से और भी चर्चा बटोरी है। यह ट्रेलर दर्शाता है कि कॉलेज कैंपस में मार्क्सवादी विचारधारा किस तरह हावी है।ये लेफ्ट यूनिट वालों ने पूरे कैंपस को जात-पात में बांट दिया है। ट्रेलर में इस तरह के डायलॉग इसे और भी प्रभावी बनाते हैं। अब हम लोग बोलेंगे भी और लड़ेंगे भी। इस तरह के डायलॉग से भरे ट्रेलर ने फिल्म की एक झलक दिखा दी है। यूनिवर्सिटी कैंपस की राजनीति कहां से जुड़ी है, ये इस एक लाइन से पता चलता है यहां से सीधे संसद में....गोधरा के लोग पीएम बनने का सपना देख रहे हैं और अफजल हम शर्मिंदा हैं, तेरे कातिल जिंदा हैं, इस तरह के विवादित डायलॉग फिल्म के ट्रेलर को और दिलतस्प बना रहे हैं।क्या एक यूनिवर्सिटी पूरे देश को हिला सकती है? ट्रेलर का सार यही है।

कोल कारोबारी और रोड कांस्ट्रेक्टर की हत्या की सुपारी लेने वाले

गैंगेस्टर अमन साहू को लाने कोर्ट से मिली मंजूरी

» रांची जेल में बंद है आरोपित गैंगेस्टर अमन साहू...

» वहां की कोर्ट से अनुमति के बाद ही लाया जाएगा रायपुर

रायपुर,18 जून 2024(ए)। राजधानी में कोल कारोबारी और रोड कांस्ट्रेक्टर की हत्या की सुपारी लेने वाले गैंगेस्टर अमन साहू को रायपुर कोर्ट से प्रोटेक्शन वारंट में लाने मंजूरी मिल गई है। हालांकि रांची की कोर्ट से अनुमति के बाद भी अमन साहू को लाया जा सकेगा। सुरक्षा भी बड़ा सवाल होगा। ऐसे में रायपुर पुलिस ने तैयारी शुरू कर दी है। अमन साहू रांची जेल में बंद है।
उल्लेखनीय है कि पिछले महीने 26 मई को कोल कारोबारी और रोड कांट्रेक्टर की हत्या करने की मंशा से रायपुर पहुंचे राजस्थान और झारखंड के चार शूटरों को पुलिस ने तीन दिन चले खुफिया आपरेशन के बाद गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद पिस्टल उपलब्ध करवाने वाले को भी बडवानी से गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में शूटरों ने बताया कि उनका संबंध रांची जेल में बंद गैंगेस्टर अमन के साथ है। जो मलेशिया में बैठे इंटरनेशनल गैंगेस्टर मयंक सिंह के कहने पर कारोबारियों की हत्या करने सुपारी ली है।

हत्या के बाद कितने पैसे मिलने थे राजफाश नहीं

हत्या करने आए जिन चार शूटरों को गिरफ्तार किया है, उन लोगों को रांची जेल में बंद अमन ने 25 लाख रुपये में सुपारी दी थी। मयंक के कहने पर अमन शूटरों को 25 लाख में सुपारी दी थी। लेकिन कारोबारियों की हत्या करने अमन के साथ कितने में डील हुई है इसका राजफाश नहीं हुआ है। वहीं रायपुर और छत्तीसगढ़ के कितने कारोबारियों इनके निशाने में हैं, इन्हीं सब की जानकारी प्राप्त करने पुलिस ने अमन को प्रोटेक्शन वारंट में रायपुर लाने कोर्ट में अर्जी दाखिल की थी।

अन्य मामलों को लेकर भी पूछताछ

अमन साहू ने दो वर्ष पूर्व लेवी वसूल करने कोल कारोबारी के शंकर नगर स्थित कार्यालय में शूटरों के माध्यम से फायरिंग की घटना को अंजाम दिलवाया था। इसके पूर्व अमन के गुर्गो ने कोरबा में भी कोल कारोबारी के कार्यलय के पास हवाई फायरिंग की थी। वहीं अब यह तीसरी बार वारदात करने पहुंचे थे।
तीनों मामलों में अमन साहू से पूछताछ की जाएगा। वहीं अमन के गुर्गो ने रोड कांट्रेक्टर से लेवी वसूल करने उसे डराने के उद्देश्य से पिछले वर्ष बोकारो में फायरिंग की घटना को अंजाम दिया था। उस मामले की जांच पहले से झारखंड पुलिस कर रही है।

30 जून तक ई-केवाईसी नहीं कराया तो अब नहीं मिलेगा राशन

रायपुर,18 जून 2024(ए)। अगर आप भी छत्तीसगढ़ में रहने वाले है और राशनकार्ड धारी है तो यह खबर आप ही के काम की है। दरअसल राशनकार्ड ई-केवाईसी के लिए अंतिम तारीख तय कर दी गई है। अब अगर आप 30 जून तक ई-केवाइसी नहीं करेंगे तो राशन नहीं मिल सकेगा।
विभाग ने प्रदेश में ई-केवाईसी सौ प्रतिशत पूरा करना का लक्ष्य रखा है। इसके लिए विभाग ने अधिकारियों को राशन दुकानों में जाने के लिए निर्देशित किया है। अधिकारियों को पता करना है कि किस एरिया में कितने लोगों ने अभी तक ई-केवाईसी नहीं कराई है। वंचित लोगों को राशन दुकानों तक लाना है।

राज्य स्तरीय अधिकारियों की बैठक में दिए गए ये निर्देश

सामान्य श्रेणी एपीएल प्राथमिकता और अंत्योदय अन्न योजना के परिवार के राशन कार्डधारियों का ई-केवाईसी और नवीनीकरण के लिए राज्य स्तरीय अधिकारियों की बैठक हुई, जिसमें सभी योजनाओं के शेष बचे हुए हितग्राहियों को 30 जून तक ई-केवाईसी व नवीनीकरण पूर्ण करने के निर्देश दिए गए है।

ई-केवाईसी के लिए शेष बचे हुए हितग्राही को नजदीकी के शासकीय उचित मूल्य दुकान में अपने राशनकार्ड के सभी सदस्यों का ईकेवाइसी आवश्यक रूप से किया जाना सुनिश्चित है तथा नवीनीकरण के लिए शेष बचे हुए राशनकार्ड धारियों को एंड्रइड मोबाइल फोन पर लिंक डाउनलोड कर या अपने शासकीय उचित मूल्य दुकान पहुंचकर राशनकार्ड का नवीनीकरण कराया जाना है।
इस संबंध में कलेक्टर डा. गौरव सिंह के निर्देश पर जिले के खाद्य नियंत्रक भूपेन्द्र मिश्रा द्वारा समस्त सहायक खाद्य अधिकारियों एवं खाद्य निरीक्षकों की बैठक लेकर समय-सीमा में शेष बचे हुए राशनकार्डधारी परिवारों का ई-केवाईसी एवं नवीनीकरण पूर्ण कराने के निर्देश दिए गए हैं।

निजी समस्या के लिए मंत्री और उच्च अधिकारियों से सीधे नहीं मिल सकेंगे कर्मचारी-अधिकारी

» लेनी होगी विभागीय अनुमति

रायपुर,18 जून 2024(ए)। मुख्यमंत्री,मंत्री और उच्च अधिकारियों से निजी समस्या के संबंध में सीधे मिलना अब कर्मचारी-अधिकारी के लिए आसान नहीं होगा। इसके लिए उन्हें विभागीय अनुमति लेनी होगी। वे मंत्रियों और उच्च अफसरों से सीधे नहीं मिल सकेंगे। अपनी समस्या के संबंध में मुलाकात के लिए विभाग में नियम के तहत अनुमति लेनी होगी। अगर बिना अनुमति लिए वे सीधे मुलाकात करते हैं तो इसे छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम 1965 के नियम 21 के तहत कदाचरण मानी जाएगी और संबंधित शासकीय कर्मचारियों-अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। हेल्थ और मेडिकल एजुकेशन विभाग के एसीएस मनोज कुमार पिंगुआ ने यह आदेश निकाला है। इन दोनों विभागों के अंतर्गत आने वाले मेडिकल एजुकेशन के कमिश्नर,हेल्थ और आयुष डायरेक्टर,खाद्य एवं औषधि प्रशासन के नियंत्रक, सभी मेडिकल कॉलेज के डीन,सभी सीएमएचओ, सभी सिविल सर्जन और सभी जिला आयुर्वेद अधिकारियों को इस संबंध में पत्र लिखा जाएगा।
पत्र में एसीएस ने लिखा कि बिना अनुमति कर्मचारी व अधिकारी के मंत्री व सीनियर अफसरों से मुलाकात को सरकार ने अनुशासनहीनता माना है। जो भी बिना विभागीय अनुमति के ही अधिकारियों से मुलाकात करता है, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जायेगी। विभागीय चैनल से अधिकारी व कर्मचारियों को नियमानुसार अनुमति लेनी होगी। इसके लिए लिखित आवेदन प्रस्तुत करना होगा। निर्देश में स्पष्ट कहा गया है कि बिना अनुमति जाने की वजह से ना सिर्फ कर्मचारियों का समय खराब होता है, बल्कि अनुशासन भी प्रभावित होता है। एसीएस के मुताबिक जिन समस्याओं को लेकर शीर्ष अधिकारी व मंत्री के पास अधिकारी या कर्मचारी आते हैं, दरअसल उनका समाधान निचले स्तर पर ही अधिकारी तरफ से हो सकता है, बावजूद वो मंत्रालय पहुंच जाते हैं। इस वजह से यह आदेश जारी किया गया है। अपने पत्र में एसीएस ने सामान्य प्रशासन विभाग के 2014 के पत्र का हवाला दिया है, जिसमें विभागीय अनुमति लेने का प्रावधान है।

एडमिशन के बाद सीट छोड़ने पर कालेज को वापस करनी होगी फीस

» यूजीसी ने जारी किया आदेश

» यूजीसी ने विश्वविद्यालय और कालेजों के लिए प्रवेश से संबंधित दिशा-निर्देश किए जारी

» उच्च शिक्षा विभाग की तरफ से शिक्षा सत्र 2024-25 की प्रवेश मार्गदर्शिका जारी

» छत्तीसगढ़ के कुछ विश्वविद्यालय और कालेजों में भी प्रवेश प्रक्रिया शुरू

रायपुर,18 जून 2024(ए)। उच्च शिक्षा विभाग की तरफ से शिक्षा सत्र 2024-25 की प्रवेश मार्गदर्शिका जारी कर दी गई है। प्रदेश के कुछ विश्वविद्यालय और कालेजों में भी प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी है। कई कालेजों में प्रवेश भी हो रहे हैं। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने भी रिफंड पालिसी जारी कर दी है। इसके अनुसार कालेजों में प्रवेश लेने वाले छात्र किसी कारणवश अपनी सीट छोड़ते हैं तो कालेज प्रबंधन को फीस वापस करना पड़ेगा। छात्र 30 सितंबर तक सीट छोड़ते हैं तो विश्वविद्यालय और कालेज प्रबंधन उन्हें पूरा शुल्क वापस करेंगे। 31 अक्टूबर तक सीट छोड़ने पर एक हजार प्रोसेसिंग फीस काटकर शेष राशि वापस करना होगा। अगर कोई विश्वविद्यालय अथवा कालेज नियमों का उल्लंघन करते हैं तो उन संस्थानों पर जुर्माना से लेकर मान्यता रद करने तक प्रविधान रखा गया है। यूजीसी से ने सभी शिक्षण संस्थानों को इस संबंध में दिशा-निर्देश जारी कर दिया है।जानकारी के मुताबिक यदि कोई शिक्षण संस्थान नियमों का उल्लंघन करता है तो छात्र या अभिभावक यूजीसी को सीधे शिकायत भेज सकते हैं। इसके साथ ही यूजीसी ने कहा है कि जिन संस्थानों में नामांकन प्रक्रिया 31 अक्टूबर के बाद भी जारी रहती है, तो नामांकन की अंतिम तिथि से 15 दिन पहले आवेदन करने वाले छात्रों की 100 प्रतिशत फीस वापस करनी होगी। यूजीसी ने विश्वविद्यालयों को निर्देश दिया है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत विश्वविद्यालय और कालेजों को नामांकन से लेकर शुल्क लेने तक सभी प्रक्रियाओं में पूरी तरह से पारदर्शिता होनी चाहिए। विश्वविद्यालय की रैंकिंग बताना जरूरी है।

साथ ही प्रवेश के लिए जो नियम बनाए गए हैं उन पर किसी भी तरह का कोई बदलाव नहीं किया जा सकता है। इसे अलावा विश्वविद्यालय में लोकपाल की नियुक्ति के बारे में भी छात्रों को पता होना चाहिए। विश्वविद्यालय की वेबसाइट में पाठ्यक्रम,प्रवेश की समय सारणी, नियम, शुल्क,फीस रिफंड पालिसी, खेल सुविधाा,छात्रावास की जानकारी, प्लेसमेंट जैसी जरूरी जानकारी छात्रों के साथ साझा करना होगा।

गृहमंत्री विजय शर्मा ने अपर मुख्य सचिव को लिखा पत्र

पुलिस की कार्यप्रणाली में बदलाव की जरूरत

रायपुर,18 जून 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री व गृहमंत्री विजय शर्मा ने छत्तीसगढ़ पुलिस की कार्यप्रणाली को लेकर राज्य के अपर मुख्य सचिव को पत्र लिखा है। उन्होंने पत्र लिखकर इस बात पर जोर दिया है कि छत्तीसगढ़ पुलिस की कार्यप्रणाली उर्दू, फारसी के शब्दों को हटाकर इनकी जगह सरल हिंदी शब्द जोड़ने के लिए राज्य के अपर मुख्य सचिव को पत्र लिखा है। पत्र में उन्होंने लिखा कि छत्तीसगढ़ पुलिस अपनी लिखा-पढ़ी और बोलचाल में उर्दू, फारसी के शब्दों की जगह सरल हिंदी शब्दों का प्रयोग करे, ताकि आम जनता या पीड़ित को पुलिस की कार्यप्रणाली समझ आए।गृह मंत्री शर्मा ने कहा कि 1896 के समय से पुलिस विभाग में प्रयोग में लाए जा रहे कई शब्द आम लोगों की समझ में नहीं आते, इसलिए इन्हें बदलना आवश्यक है। छत्तीसगढ़ राज्य बनने के 24 साल बाद व्यापक जनहित में यह अच्छी पहल होगी।

जल्द शुरू होगा छत्तीसगढ़ से दिल्ली आम यात्री के लिए गैर वातानुकूलित ट्रेनों का संचालन

रायपुर,18 जून 2024 (ए)। रेलवे अपने दिल्ली से पूर्व दिशा के यात्रियों के लिए नई सविधा देने जा रही है। दरअसल लंबी दूरी की ट्रेनों में भीड़ की समस्या दूर करने रेलवे जल्द देश के विभिन्न राज्यों में स्पेशल ट्रेनों का संचालन शुरू करने जा रहा है, जिसमें छत्तीसगढ़ भी शामिल है। रेलवे ने बीते दिनों भीड़ वाली ट्रेनों का सर्वे किया था, जिसमें दिल्ली से पूर्व दिशा को जाने वाली ट्रेनों में पूरे वर्ष अधिक भीड़ पाई गई। अब सर्वे के आधार पर छत्तीसगढ़, उप्र, बिहार, बंगाल, असम, ओडिशा, झारखंड व आंध्रप्रदेश के लिए जल्द गैर वातानुकूलित ट्रेनों का संचालन शुरू होगा।

गैर वातानुकूलित ट्रेनों में रहेंगे 11 जनरल कोच

इन ट्रेनों में खास बात यह भी है कि, इसमें 11 जनरल और 12 स्लीपर कोच के साथ चार पार्सल कोच भी लगेंगे, ताकि यात्रियों को सामान बुक कराकर ले जाने में आसानी हो। एलएचबी कोच के आने से ट्रेनों में जनरल और स्लीपर कोच कम हो गए हैं, लेकिन इस स्पेशल ट्रेन में एसी कोच नहीं होगा। इसीलिए इस ट्रेन को आम आदमी की ट्रेन कहा जा रहा है।

अब दिल्ली से पूर्व दिशा के यात्रियों का सफर होगा आसान

दिल्ली से पूर्व दिशा की ट्रेनों में पूरे वर्ष भीड़ होती है। लंबी प्रतीक्षा सूची रहती है। त्योहार के दिनों में यात्रियों की संख्या और बढ़ जाती है। सर्वे में पता चला है कि दपूमरे से दिल्ली आने वाले जनरल कोच में लोगों को कष्टदायक स्थिति में यात्रा करनी पड़ती है।

मॉडल श्रम अन्न केन्द्र के तहत श्रमिकों को किफायती दर पर मिलेगा भोजन

» रायपुर,कोरबा और कुनकुरी से होगी शुरूआत

रायपुर,18 जून 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सरकार श्रमिकों के लिए अहम फैसला लिया है। कामकाजी श्रमिकों की दिक्कत को महसूस करते हुए उन्हें उनके कार्य स्थल के पास किफायती दर पर भोजन उपलब्ध कराने के लिए मॉडल श्रम अन्न केन्द्र प्रारंभ करने के निर्देश दिए हैं।

यह केन्द्र रायपुर, कोरबा और कुनकुरी में खुलेंगे।

आरंग मॉब लिंचिंग केस में इकलौते गवाह की भी मौत

» दो युवकों की उसी दिन चली गई थी जान

» पुलिस की एसआईटी कर रही जांच

रायपुर,18 जून 2024 (ए)। रायपुर-महासमुंद बॉर्डर में महानदी पुल पर हुई माब लिंचिंग में गंभीर रूप से घायल हुए तीसरे युवक सद्दाम कुरैशी की भी मंगलवार को मौत हो गई। 10 दिन तक अस्पताल में सद्दाम का बचाने की कोशिश की जा रही थी। सद्दाम ही इस पूरे मामले के इकलौते गवाह थे। इस घटना में सहारनपुर (यूपी) के दो युवकों चांद खान, गुड्डू खान की मौके पर ही मौत हो गई थी। इस पूरे मामले की गंभीरता को देखते हुए रायपुर पुलिस की एसआईटी जांच कर रही है। शुरुआती जांच के आधार पर आरंग थाने में गैर इरादतन हत्या, हत्या के प्रयास की एफआईआर दर्ज की थी। आरोपियों की तलाश जारी है। पुलिस को सद्दाम के होश में आने की उम्मीद थी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। आरोपियों की गिरफ्तारी और उनकी शिनाख्ती के पहले ही उसकी जान चली गई।

बलौदाबाजार जिला प्रशासन ने लोगों से की ये अपील

बलौदाबाजार,18 जून 2024 (ए)। भाटापारा जिला प्रशासन ने सभी जिले वासियों से अवैधानिक,गैर कानूनी अथवा लोक शांति भंग करने वालों की जानकारी कंट्रोल रूम में देने की अपील की है।
अपील में कहा गया है कि ग्राम पंचायत, नगर पंचायत या नगर पालिका क्षेत्र में कोई भी समूह या संगठन अवैधानिक, गैरकानूनी या लोक शांति को भंग करने की दृष्टि से कोई रणनीति बना रहा हो या बैठक कर रहा हो तो उसकी जानकारी तत्काल जिला कंट्रोल रूम नंबर 94791-90629 में देवें।
ताकि उनके विरुद्ध नियमानुसार वैधानिक कार्यवाई की जा सके। जानकारी देने वाले व्यक्ति की पहचान पूर्णतः गोपनीय रखी जाएगी। जिला प्रशासन ने कहा है कि आइए हम सब एक आदर्श नागरिक होने का परिचय देवे और अपने जिले को शांति,सद्भाव, सामाजिक समरसता और विकास की एक मिसाल बनाएं।

नक्सली क्षेत्र में रहने वाले ग्रामीणों पर आफत बनकर टूटे माओवादी

» एक ही परिवार के 15 लोगों को निकाला गांव से बहार

नारायणपुर,18 जून 2024 (ए)। नक्सल प्रभावित जिलों से लगातार नक्सलियों की कायराना करतूत सामने आ रही है इसी कड़ी में नारायणपुर जिले से खबर सामने आई है। दरसल नक्सली ग्रामीणों को निशाना बनाने के फिराक में है। इसी बीच नक्सलियों ने 15 ग्रामीणों को गांव से भगा दिया। बताया जा रहा है कि एक ही परिवार के 15 लोगों को नक्सलियों ने गांव से भगा दिया। जिसके बाद ग्रामीण नारायणपुर मुख्यालय के रैन बसेरा में शरण ली।मिली जानकारी के अनुसार, मामला कोहकामेटा थाना क्षेत्र का है। दरअसल, यहां एक सप्ताह पहले नक्सलियों ने दो सदस्यों की हत्या कर दी थी। जिसके बाद से परिवार के सभी सदस्य दहशत में है। अब नक्सलियों ने उन्हें गांव से निकाल दिया। लेकिन यहां भी कोई प्रशासनिक अमला नहीं पहुंचा, जो उनकी मदद कर सके। आपको बता दें कि अबूझमाड़ के मसपुर इलाके में माओवादियों ने ग्रामीण की हत्या कर दी थी।

हत्या के बाद मौके पर नक्सलियों ने पर्चे भी फेंके। पर्चे के जरिए मृतक ग्रामीण पर मुखबिर होने का आरोप लगाया है। ऐसा पहली बार नहीं है जो नक्सलियों ने ग्रामीणों को गांव से निकाला गया है। आपको बता दें कि नारायणपुर में एक ऐसी बस्ती है जो गांव से खदेड़कर यहां बसे हुए हैं। बता दें कि नक्सल मोर्चे के खिलाफ लगातार जवानों की दबिश से माओवादी बौखलाए हुए हैं। जिससे नक्सली अब इस तरह की घटना को अंजाम दे रहे हैं। अक्सर ऐसा होता है जब गांव में कोई बड़ी कार्रवाई के दौरान नक्सली ढेर होते हैं तब उनका शव ग्रामीणों की तरफ होता है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)